राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण शनिवार 13 जुलाई 2024 वर्ष–7,अंक–170 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

जो करेगा जात की बात.....उसे मारूंगा कसकर लात गडकरी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के नेता और केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने जातिआधरित राजनीति करने वाले नेताओं पर निशाना साधा है। केंद्रीय मंत्री गडकरी ने कहा कि महाराष्ट्र में वर्तमान में जातिवाद की राजनीति हो रही है। मैं किसी भी तरह के जात-पात को नहीं मानता हूं और जो इसकी बात करेगा मैं उस कसरक लात मारूंगा। केंद्रीय मंत्री गडकरी ने कहा कि मेरे संसदीय क्षेत्र में करीब 40 फीसदी मुसलमान वोटर हैं। मैंने उन्हें पहले ही बता दिया था कि मैं आरएसएस वाला हूं और हाफ चड्डी वाला हूं। इतना ही नहीं उन्होंने कहा कि किसी को वोट देने से पहले सोच लो कि बाद में पछताना ना पड़े। गडकरी ने कहा कि जो मुझे वोट देगा उनका भी काम होगा और जो वोट नहीं देगा उनका काम भी मैं करूंगा। भाजपा नेता गडकरी ने कहा कि कोई भी शख्स जाति के आधार पर बड़ा नहीं होता है। गरीबी, भूखमरी और रोजगार सबके लिए है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सिलेंडर हो या कोई अन्य चीज अगड़ी और पिछड़ी जाति के लोग एक ही दम पर खरीदते हैं। साथ ही गडकरी ने कहा कि पेट्रोल और डीजल भी हिंदू और मुसलमान एक ही कीमत पर खरीदते हैं।

हिमाचल में लैंडस्लाइड से यातायात बाधित, लोगों में आक्रोश, यात्री खुद हटा रहे मलबा

नाहन। हिमाचल प्रदेश के नाहन में हरिपुरधार-नौहराधार मार्ग पर लैंडस्लाइड होने से यात्री फंस गए और मार्ग पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं हैं। ऐसे में जाम में फंसे लोग ही खुद सड़क से मलबा हटाने में जुट गए हैं। वहां फंसे लोगों में आक्रोश है। उन्होंने प्रशासन पर आरोप लगाया कि पीडब्ल्यूडी की तरफ से यहां पर जेसीबी तैनात नहीं है। प्रशासन को सूचना देने के बावजूद कोई जिम्मेदारी भरा कदम नहीं उठाया जा रहा है। बता दें कि पूरा मामला जिला सिरमौर के उपमंडल संगडाह के अंतर्गत का है। यहां पर मुख्य मार्ग हरिपुरधार-नौहराधार के बीच नजदीक मार्ग पर भारी भूस्खलन से रास्ता बंद हो गया है। पिछले कई घंटों से यातायात ठप है और लोग खुद ही यातायात बहाल करने के लिए प्रयास कर रहे हैं। स्थानीय लोगों ने बताया कि नोहराधार-हरिपुरधार सड़क के बीच एक नजदीकी मार्ग भारी भू स्खलन के चलते बंद हो गया है। स्थानीय लोग जेसीबी मशीन तैनात करने को लेकर पीडब्ल्यूडी से मांग करते आए हैं लेकिन विभाग ने कोई बंदोबस्त नहीं किया। आज भी मार्ग पर भूस्खलन होने से रास्ता बंद हो गया है। विभाग को सूचना देने के बाद भी मार्ग को खोलने के लिए मशीन नहीं पहुंची और न ही विभाग के कर्मी। इसके बाद मार्ग पर फंसे लोग ही खुद मलबा हटाने में जुट गए हैं।

कश्मीर में लगे भूकंप के झटके, लोगों में दहशत

कश्मीर। कश्मीर में भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं जिसकी तीव्रता 4 की मापी गई। इन भूकंप के झटकों से लोग दहशत में आ गए। भूकंप दोपहर करीब 12:26 बजे आया इसका केंद्र शितलू से तीन किमी दूर था। भूकंप से भारत और पाकिस्तान दोनों देश के प्रभावित होने की खबर है। फिलहाल किसी भी तरह के नुकसान की खबर नहीं है। बता दें कि इससे पहले जम्मू कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में भूकंप आया था। यह भूकंप 4 अप्रैल को आया था। अधिकारियों ने बताया था कि दोनों भूकंपों का केंद्र किश्तवाड़ ही था। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के मुताबिक किश्तवाड़ में रात 11 बजकर एक मिनट पर 3.2 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप का केंद्र 10 किलोमीटर की गहराई में था। फिलीपींस के दक्षिणी हिस्से सुल्तान कुदारत प्रांत में गुरुवार सुबह भूकंप के तेज झटके लगे। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 7.0 बताई जा रही है। भूकंप के भीषण झटकों से लोगों में दहशत फैल गई। झटके महसूस होते ही लोग अपने घरों से बाहर निकल आए।

सीजेआई का सुनवाई से इंकार .....हर चीज जनहित याचिका के रूप में नहीं

नई दिल्ली। यूपी के हाथरस में 2 जुलाई को हुई भगदड़ मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट में एक जनहित याचिका दायर हुई थी। याचिका पर शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई से इंकार कर दिया है। साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता से पूछा है कि आप सीधे अनुच्छेद 32 के तहत सुप्रीम कोर्ट क्यों आए? याचिका दायर करने वाले व्यक्ति की ओर से सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश की निगरानी में पांच सदस्यीय विशेषज्ञ समिति की नियुक्ति की मांग की गई थी। सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ की अगुवाई वाली पीठ ने कहा कि हर चीज जनहित याचिका के रूप में नहीं आनी चाहिए। घटना को लेकर आप हाईकोर्ट में याचिका दायर कर सकते हैं। वे मजबूत अदालतें हैं, बेशक यह एक परेशान करने वाली घटना है। बता दें कि 2 जुलाई को सूरजपाल ऊर्फ साकार विश्व हरि के सत्संग में भगदड़ मच गई थी। जिसमें 121 लोगों की मौत हो गई थी। मरने वालों में अधिकतर महिलाएं शामिल थीं। घटना को लेकर राजनीति भी शुरू हो गई थी।

25 जून संविधान हत्या दिवस घोषित, केंद्र सरकार ने जारी किया नोटिफिकेशन

-1975 में इसी दिन लगा था आपातकाल

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने 25 जून को संविधान हत्या दिवस घोषित किया है। गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को सोशल मीडिया पर पोस्ट कर इसकी जानकारी दी। सरकार ने इसका गजट नोटिफिकेशन भी जारी किया। फैसले की जानकारी देते हुए शाह ने लिखा- 25 जून 1975 को तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने अपनी तानाशाही मानसिकता को दर्शाते हुए देश में आपातकाल लगाकर भारतीय लोकतंत्र की आत्मा का गला घोंट दिया था। लाखों लोगों को अकारण जेल में डाल दिया गया और मीडिया की आवाज को दबा दिया गया। भारत सरकार ने हर साल 25 जून को संविधान हत्या दिवस के रूप में मनाने का निर्णय किया है। यह दिन उन सभी लोगों के विराट योगदान का स्मरण कराएगा, जिन्होंने 1975 के आपातकाल के अमानवीय दर्द को झेला था। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा लिए गए इस निर्णय का उद्देश्य उन लाखों लोगों के संघर्ष का सम्मान करना है, जिन्होंने तानाशाही सरकार की असंख्य यातनाओं व उत्पीडन् का सामना करने के बावजूद लोकतंत्र को पुनर्जीवित करने के लिए संघर्ष किया। संविधान हत्या दिवस हर भारतीय के अंदर लोकतंत्र की रक्षा और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की अमर ज्योति को जीवित रखने का काम करेगा, ताकि कांग्रेस जैसी कोई भी तानाशाही मानसिकता भविष्य में इसकी पुनरावृत्ति न कर पाए।

कांग्रेस बोली- एक और सुर्खियां बटोरने वाली कवायद

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि 25 जून को संविधान हत्या दिवस के रूप में मनाना इस बात की याद दिलाएगा कि उस दिन क्या हुआ था और भारत के संविधान को कैसे कुचला गया था। ये भारत के इतिहास में कांग्रेस द्वारा लाया गया एक काला दौर था। उधर, कांग्रेस ने सरकार के इस फैसले को एक और सुर्खियां बटोरने वाली कवायद बताया। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा कि यह नॉन बायोलॉजिकल प्रधानमंत्री की एक और सुर्खियां बटोरने वाली कवायद है, जिसने दस साल तक अघोषित आपातकाल लगाया था। उसके बाद भारत के लोगों ने उसे 4 जून, 2024 को एक निर्णायक व्यक्तिगत, राजनीतिक और नैतिक हार दी- जिसे इतिहास में मोदी मुक्ति दिवस के रूप में जाना जाएगा।

इमरजेंसी लगाने वाले संविधान पर प्यार न जताएं

इस साल 25 जून को इमरजेंसी की 49वीं बरसी थी। इससे एक दिन पहले यानी 24 जून को 18वीं लोकसभा के पहले सत्र में विपक्षी सांसदों ने संविधान की कॉपी लेकर शपथ ली थी। इसे लेकर प्रधानमंत्री

ने कांग्रेस की आलोचना की। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि इमरजेंसी लगाने वालों को संविधान पर प्यार जताने का अधिकार नहीं है। पीएम मोदी ने एक के बाद एक एक्स पर चार पोस्ट किए। उन्होंने कहा जिस मानसिकता की वजह से इमरजेंसी लगाई गई, वह आज भी इसी पार्टी में जिंदा है। इसके जवाब में कांग्रेस नेता पी चिदंबरम ने कहा कि देश को दूसरी इमरजेंसी से बचाने के लिए जनता से इस बार वोट किया है। हमारे संविधान ने ही जनता को आने वाली एक और इमरजेंसी रोकने की याद दिलाई है।

पीएम को बुनियादी आर्थिक मुद्दों पर देना चाहिए ध्यान : मल्लिकार्जुन खरगे

नई दिल्ली।

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि पीएम मोदी ने सरकार को जनता के मूल मुद्दों से दूर रखने के लिए पीआर का इस्तेमाल किया। खरगे ने कहा कि जून में लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद लोग अब जवाब मांग रहे हैं। पीएम मोदी पर निशाना साधते हुए खरगे ने कहा कि वह आगामी बजट सत्र के लिए कैमरे के साये में बैठकें कर रहे हैं। उन्हें देश के बुनियादी आर्थिक मुद्दों पर ध्यान देना चाहिए।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा, देश की जनता को बेरोजगारी, महंगाई और असमानता के गर्त में धकेल कर आपकी सरकार ने करोड़ों लोगों का जीवन उजाड़ा है। आने वाले बजट के लिए जब आप कैमरे की छाया में बैठकें कर रहें हैं, तो देश के इन मूल आर्थिक मुद्दों पर भी गौर कीजिए। आपकी नाकामियों की लिस्ट बहुत लंबी है। 9.2 प्रतिशत बेरोजगारी दर की वजह से युवाओं का भविष्य शून्य की ओर ताक रहा है। 20-24 वर्ष की आयु के लोगों के लिए, बेरोजगारी दर बढ़कर 40 प्रतिशत हो गई है, जो युवाओं के बीच नौकरी के बाजार में गंभीर संकट को उजागर करती है। उन्होंने आगे कहा, किसानों की आय दोगुनी करने व लागत 50 प्रतिशत एमएसपी का वादा झूठा निकला है। हाल ही में 14 खरीफ फसल के एमएसपी पर मोदी सरकार ने फिर ये साबित कर दिया कि उसे स्वामीनाथन रिपोर्ट की एमएसपी की सिफारिश को केवल चुनावी झुनझुने की तरह इस्तेमाल करना है। जिन सात पीएसयू में ज्यादातर सरकारी हिस्सेदारी बेची है, उनमें 3.84 लाख सरकारी नौकरियां छिनी है। इससे एससी, एसटी, ओबीसी, ईडब्ल्यूएस आरक्षित पदों की नौकरियां भी छिनी है। 2016 से अब तक जो आपने 20 टॉप पीएमयू में थोड़ी हिस्सेदारी बेची है, उसमें 1.25 लाख लोगों की सरकारी नौकरियां गई है।

जीडीपी पर भी केंद्र सरकार को घेरा

खरगे ने जीडीपी पर भी मोदी सरकार को घेरा। उन्होंने कहा, जीडीपी के प्रतिशत के रूप में विनिर्माण यूपीए के कार्यकाल में 16.5 प्रतिशत से गिरकर मोदी सरकार के दौरान 14.5 प्रतिशत हो गया है। प्राईवेट निवेश में भी पिछले 10 वर्षों में जबरदस्त गिरावट आई है। नई निजी निवेश योजनाएं, जो जीडीपी का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, अप्रैल से जून के बीच 20 साल के निचले स्तर पर गिरकर केवल 44,300 करोड़ रुपये रह गई। पिछले साल इस अवधि में 7.9 लाख करोड़ रुपये का निजी निवेश हुआ था। महंगाई का तांडव चरम पर है। आटा-दाल-चावल, दूध-चीनी, आलू-टमाटर-प्याज, खाने-पीने की सभी जरूरी वस्तुओं के दाम आसमान छू रहे हैं। नतीजा ये है कि परिवारों की घरेलू बचत 50 वर्षों में सबसे कम स्तर पर है।आर्थिक असमानता 100 वर्षों में सबसे ज्यादा है। ग्रामीण भारत में वेतन की बढ़ोतरी नेगेटिव पर है।

13 दिन.....2.66 लाख तीर्थयात्री ने किए बाबा बर्फानी के दर्शन

जम्मू ।

अमरनाथ यात्रा 2024 लगातार जारी है। बीते 13 दिनों में 2.66 लाख से ज्यादा तीर्थयात्री बाबा बर्फानी के दर्शन कर चुके हैं। शुक्रवार सुबह जम्मू से 4,434 श्रद्धालुओं का एक और जत्था कश्मीर के लिए रवाना हुआ है। श्री अमरनाथजी श्राइन बोर्ड (एसएएसबी) के अधिकारियों ने बताया कि इस साल अमरनाथ यात्रा के लिए आने वाले यात्रियों की संख्या में कोई कमी नहीं है। उत्साही तीर्थयात्रियों का आना जारी है। 29 जून से अमरनाथ यात्रा शुरू हुई और गुरुवार तक 2.66 लाख से ज़्यादा श्रद्धालुओं ने पवित्र गुफा के अंदर बाबा बर्फानी के दर्शन किए। इसमें 10 हजार से ज्यादा वे तीर्थयात्री शामिल हैं, जो दक्षिण और उत्तर बेस कैंप से हेलीकॉप्टर सेवाओं का इस्तेमाल करके पवित्र गुफा तक पहुंचे। शुक्रवार को 4434 यात्री जम्मू के भगवती नगर यात्री निवास से दो सुरक्षा काफिलों में कश्मीर के लिए रवाना हुए। पहला सुरक्षा काफिला 64 वाहनों में 1,721 तीर्थयात्रियों को लेकर सुबह 3 बजे उत्तरी कश्मीर के बालटाल बेस कैंप के लिए रवाना हुआ। दूसरा सुरक्षा काफिला 101 वाहनों में 2,713 तीर्थयात्रियों को लेकर सुबह 3.35 बजे दक्षिण कश्मीर के नुनवान (पहलगाम) बेस कैंप के लिए रवाना हुआ।

राहुल गांधी का मोदी पर तंज, बेरोजगारी की बीमारी, बन गई माहमारी

भाजपा शासित राज्य इसके एपिसेंटर

नई दिल्ली ।

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने दावा किया कि बेरोजगारी की बीमारी ने भारत में महामारी का रूप ले लिया है। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि भाजपा शासित राज्य इस बीमारी का केंद्र बन गए हैं। उनकी टिप्पणी गुजरात के भरूच जिले के अंकलेश्वर में 40 रिक्तियों के लिए एक फर्म द्वारा आयोजित इंटरव्यू के लिए लगभग 800 लोगों के आने के बाद भगदड़ जैसी स्थिति की घटना पर आई थी।

राहुल गांधी ने घटना को लेकर भाजपा पर निशाना साथा। राहुल गांधी ने लिखा कि बेरोजगारी की बीमारी भारत में महामारी का रूप ले चुकी है और भाजपा शासित राज्य इस बीमारी का एपिसेंटर बन गए हैं। उन्होंने कहा कि एक आम नौकरी के लिए कतारों में धक्के खाता 'भारत का भविष्य ही नरेंद्र मोदी के 'अमृतकाल' की हकीकत है। इसमें कोई दो राय नहीं है कि पूरे भारत में रोजगार सबसे बड़ी चुनौती बनी हुई है और विपक्ष इस लेकर सरकार पर सवाल करते रहा है। हाल में खत्म हुए लोकसभा चुनाव में भी बेरोजगारी बड़ा मुद्दा था। वीडियो शेयर करते हुए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भी बीजेपी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि ये वीडियो 22 साल से भाजपा द्वारा गुजरात की जनता से किए गए धोखेबाज़ी मॉडल का प्रमाण है। कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने कहा कि ये वीडियो 10 वर्षों से मोदी सरकार ने जिस तरह युवाओं की नौकरियाँ छीनी है, उनके भविष्य को तबाह किया है उसका जीता जागता सबूत भी है।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने भी वीडियो को लेकर बीजेपी पर निशाना साधा। कांग्रेस नेता रमेश ने कहा, यह वीडियो तथाकथित मोदी मॉडल को उजागर करने के लिए पर्याप्त है इस पूरे देश में प्रचारित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि एक निजी होटल में नौकरी के लिए युवाओं की यह भीड़ इसका स्पष्ट प्रमाण है कि गुजरात में केवल अमीरों को फायदा हुआ है। भाजपा 30 साल से गुजरात में सत्ता में है, फिर भी राज्य में बेरोजगारी भयानक स्तर पर है।

नेपाल में भूस्खलन के कारण त्रिशूली नदी में बह गईं दो बसें,7 भारतीयों समेत 62 यात्री लापता

काठमांडू।

नेपाल के पोखड़ा में एक बड़ा हादसा हुआ है। शुक्रवार की सुबह करीब साढ़े 3 बजे हुए एक जबरदस्त भूस्खलन के चलते दो यात्री बसे त्रिशूली नदी में बह गईं,जिसमें कुल 63 यात्री सवार थे। इसमें कई लोगों की मौत हो गई है मरने वालों में 7 भारतीय भी शामिल हैं। नारायणघाट-मुगलिंग सड़क खंड के सिमलताल में यह घटना हुई है। चितवन के मुख्य जिला अधिकारी इंद्रदेव यादव ने कहा है कि काठमांडू जाने वाली एंजेल बस और राजधानी से गौर जा रही गणपति डीलक्स में सुबह करीब साढ़े तीन बजे त्रिशूली नदी में बह गईं। पुलिस ने बताया कि काठमांडू जा रही बस में 24 लोग सवार थे और दूसरी में 41 लोग सवार थे। गणपति डीलक्स में सवार तीन यात्री बस से कूदकर भागने में सफल रहे। इस हादसे में 7 भारतीय नागरिक की मौत की पुष्टि हो चुकी है।

इस हादसे पर नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल 'प्रचंड' ने सभी सरकारी एजेंसियों को यात्रियों की खोज और बचाव का निर्देश दिया। दहल ने एक्स पर लिखा, नारायणगढ़-मुग्लिन सड़क खंड पर भूस्खलन में बसों के बह जाने और देश के विभिन्न हिस्सों में बाढ़ और भूस्खलन के कारण संपत्तियों के नुकसान के बाद लगभग पांच दर्जन यात्रियों के लापता होने की खबरों से मैं बहुत दुखी हूं। मैं गृह प्रशासन सहित सरकार की सभी एजेंसियों को यात्रियों की तलाश करने और उन्हें प्रभावी ढंग से बचाने का निर्देश देता हूं। इस बीच काठमांडू से भरतपुर के लिए सभी उड़ानें दिन के लिए रद्द कर दी गई हैं क्योंकि मौसम खराब बना हुआ है।

चीन, पाकिस्तान से मिल रहीं चुनौतियों के बीच, रक्षा पर बजट बढ़ा सकती है मोदी सरकार

नई दिल्ली।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बनी एनडीए सरकार अपने तीसरे कार्यकाल का पहला बजट पेश करने जा रही है। लोकसभा चुनाव के दौरान विपक्ष रक्षा बजट में कटौती और अग्निपथ योजना को लेकर सरकार पर लगातार हमलावर रहा है। ऐसे इस बजट में सरकार की ओर से बजट में रक्षा क्षेत्र के लिए होने वाले एलान पर सभी की निगाहें रहेंगी। मोदी सरकार ने अपने पिछले दो कार्यकाल में स्पष्ट कर दिया था कि उसका डिफेंस सेक्टर पर ज्यादा फोकस रहने वाला है। उसने डिफेंस सेक्टर के स्वदेशीकरण पर भी जोर दिया है। उम्मीद है कि बजट 2024 में डिफेंस सेक्टर को आगे बढ़ाएंगी। हालांकि, इस साल फरवरी को पेश किए अंतरिम बजट में रक्षा क्षेत्र के लिए सरकार ने 6.21 लाख करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया था।सरकार ने इसमें कुल आवंटन में सिर्फ पांच प्रतिशत की वृद्धि की थी। इस पर सरकार का कहना था कि जुलाई में आने वाले आम बजट में इसमें बदलाव किए जाएगा। इससे पहले साल 2019 में भी सरकार ने पूर्व बजट में अंतरिम बजट की तुलना में रक्षा आवंटन में बढोत्तरी की थी। ऐसे में माना जा रहा है कि सरकार इस साल भी रक्षा बजट में बढ़ोत्तरी कर सकती है।

भारत का रक्षा बजट अभी भी कम

सरकार रक्षा बजट पर खर्च लगातार बढ़ा रही है, लेकिन यह अभी अमेरिका और चीन जैसे देशों के मुकाबले कम है। एक अनुमान के मुताबिक, अमेरिका का रक्षा बजट भारत से 10 गुना अधिक है। वहीं ड्रैगन का भी रक्षा बजट भारत का चार गुना है। चीन से तनाव को देखते हुए भी भारत को अपना रक्षा बजट बढ़ाने की जरूरत है। भारत का पड़ोसी पाकिस्तान आर्थिक रूप से बदहाल है। लेकिन, उसने भी पिछले महीने पेश बजट में अपने रक्षा खर्च को 15 फीसदी बढ़ाने का एलान किया है। पाकिस्तान के साथ भारत का विवाद सबसे गहरा है। दोनों देशों के दरम्यान कई बार सैन्य संघर्ष भी हो चुका है। ऐसे में भारत पर भी रक्षा बजट बढ़ाने का दवाब रहेगा। केंद्रीय बजट 2024 में सरकार की ओर से अग्निपथ योजना में बदलाव किए जाने की उम्मीद है। नई सरकार के गठन के बाद रक्षा मंत्रालय इसकी व्यापक समीक्षा कर रहे है। सरकार और उसके सहयोगी इस योजना को पहले से आकर्षक बनाने को लेकर तैयारी कर रहे हैं। संभव है कि बजट भाषण के दौरान वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण इस योजना को लेकर जिक्र कर सकती है। रक्षा क्षेत्र के उत्पादन और निर्यात की बात करें तो भारत लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। पिछले छह वित्त वर्षों में इसमें करीब दस गुना बढ़ोत्तरी हुई है। 2023-24 में भारत का रक्षा निर्यात 21,083 करोड़ रुपये के पार कर चुका है। यह पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 32 प्रतिशत अधिक है। तब भारत का रक्षा निर्यात 16 हजार करोड़ रुपये था। फिलहाल भारत करीब 85 देशों को हथियार निर्यात कर रहा है।

रक्षा क्षेत्र के लिए बजट में आवंटन

वर्ष	आवंटन (रुपये में)
2024-25 (अंतरिम)	6.21 लाख करोड़
2023-24	5.94 लाख करोड़
2022-23	5.25 लाख करोड़
2021-22	5.78 लाख करोड़

लगातार बढ़ रहा रक्षा निर्यात

वर्ष	राशि (रुपये में)
2016-17	1521 करोड़
2017-18	4682 करोड़
2018-19	10745 करोड़
2019-20	9115 करोड़
2020-21	8434 करोड़
2021-22	13,000 करोड़
2022-23	16,000 करोड़
2023-24	21,000 करोड़

भारत-रूस मित्रता को जीवंतता देने का सार्थक प्रयास

ललित गर्ग

भारत-रूस की मैत्री का व्यापक महत्व है। यह पुराना मित्र देश का भारत की ताकत रहा है, मार्गदर्शक रहा है, हर सुख-दु:ख का साथी रहा है। नेहरु युग से ही भारत-रूस के बीच घनिष्ठ संबंध रहे हैं। दोनों देशों की संस्कृति, संगीत, कला, साहित्य के बीच भी गहरा आत्मीय लगाव रहा है। भारतीय फिल्में रूस में बड़े चाव से देखी जाती रही है। कश्मीर के मसले पर भारत जब-जब अलग-थलग पड़ता रहा, तब तब रूस ने भारत का साथ दिया।

भारत-रूस की मैत्री को नये आयाम देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं राष्ट्रपति पूतिन ने न केवल मैत्री के धागों एवं द्विपक्षीय रिश्तों को मजबूती दी है, बल्कि आर्थिक गतिविधियों को नये शिखर देने का प्रयास किया है। उनकी यह यात्रा दोनों देशों के लिये एक नए सोच के साथ नये सफर का आगाज है। एक ऐसे समय में, जबकि यूक्रेन-रूस युद्ध को पश्चिमी देशों के विरोध के कारण रूस दुनिया में अलग-थलग है, प्रधानमंत्री मोदी ने अपने तीसरे कार्यकाल की शुरुआत में पहले विदेश यात्रा के लिये रूस का चयन करके जता दिया है कि भारत-रूस की मैत्री अक्षुण्ण है और किसी भी तरह के दुनिया के दबाव में यह दोस्ती कमजोर नहीं पड़ने वाली है। भारत ने जहां मैत्री को प्रगाढ़ बनाने की दिशा में उल्लेखनीय उपक्रम किये हैं, वहीं अपने मित्र देश को युद्ध के खिलाफ और शांति के पक्ष में अपना स्पष्ट रुख भी जताया है। मोदी की इस यात्रा की एक बड़ी निष्पत्ति यह है कि रूस में अब दो नये वाणिज्यिक दूतावास खुलने जा रहे हैं, जिससे हमारी आर्थिक गतिविधियां तेजी से एवं ज्यादा बढ़ेगी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की इस रूस यात्रा को लेकर पश्चिमी देशों ने विरोध जताया है। लेकिन प्रधानमंत्री ने यह स्पष्ट किया कि भारत के लिए रूस की मैत्री बहुत महत्वपूर्ण है। भारत अपने मैत्री-मूल्यों को किसी भी दबाव में कमतर नहीं होने देगा। भले ही यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की इस यात्रा पर अपनी निराशा जाहिर करते हुए इसे शांति प्रयासों को झटका तक बता चुके हो या अमेरिका ने भी यात्रा को लेकर अपनी चिंता जता दी हो। लेकिन प्रधानमंत्री मोदी अपनी युद्ध विरोधी सोच के चलते ही यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद से रूस नहीं गए थे। दोनों देशों के बीच होने वाली सालाना द्विपक्षीय शिखर बैठक भी 2022 के बाद से नहीं हो पाई थी। इससे रूस के कुछ हलकों में यह धारणा बनने लगी थी कि भारत अमेरिका और पश्चिमी देशों के प्रभाव में रूस से दूरी बनाए रखना चाहता है। दुनिया में बन रही इस नई धारणा को तोड़ना जरूरी था, इसी दृष्टि से इस यात्रा के पीछे जहां द्विपक्षीय रिश्तों को संदेहों और अविश्वासों से मुक्त करने का ध्येय था, वहीं अंतरराष्ट्रीय हलकों में यह स्पष्ट संदेश भेजना था कि भारत को किसी तरह के दबाव के जरिए इस या उस पक्ष में झुकाना संभव नहीं है।

खुद प्रधानमंत्री मोदी ने भी राष्ट्रपति पूतिन के साथ बातचीत में इसका जिक्र किया कि उनके रूस आने पर पूरी दुनिया की निगाहें टिकी हैं। दुनिया भर में इस यात्रा को गहरी उत्सुकता से देखा जा रहा है। मौजूदा अंतरराष्ट्रीय हालात को ध्यान में रखें तो यह कोई अचरज वाली बात भी नहीं है। यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद से ही अमेरिका और अन्य पश्चिमी देशों का जोर इस बात पर रहा है कि भारत रूस से अपनी करीबी खत्म करे। भारत अब एक स्वतंत्र ताकत है, दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थ-व्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है, बड़े शक्तिशाली देशों के लिये भी भारत एक बाजार

है। इसलिये भारत किसी भी दबाव में न आते हुए शुरू से ही यह स्पष्ट कर रखा है कि वह अपने राष्ट्रहित पर आधारित स्वतंत्र विदेश नीति पर कायम रहेगा। रूस समर्थकों ने भले ही यह दर्शाना चाहा हो कि मोदी की यात्रा से भारत ने पश्चिम को चुनौती दी है और इससे पश्चिमी देश 'ईर्ष्या से जल रहे हैं', परंतु असल में भारत ऐसा कोई मंतव्य नहीं रखता है।

यह यात्रा अनेक कारणों एवं दृष्टिकोणों से महत्वपूर्ण रही, यात्रा के दौरान दोनों देशों में सहयोग बढ़ाने के समझौते तो हुए ही, प्रधानमंत्री मोदी ने अपने मित्र राष्ट्र को मैत्रीपूर्ण सलाह देते हुए पूरी बेबाकी से कहा, 'युद्ध के मैदान से कोई हल नहीं निकलता।' यह प्रधानमंत्री मोदी का वैसा ही बयान है जैसा दो साल पहले समरकंद में पूतिन से बातचीत के दौरान उन्होंने दिया था कि 'यह युद्ध का दौर नहीं है'। असल में भारत हमेशा से शांति के उजालों एवं युद्ध के अंधेरों से मुक्ति का ही समर्थक रहा है। भारत की स्पष्ट मान्यता है कि युद्ध किसी भी समस्या का समाधान नहीं है। भारत ने बम-बंदूक के बजाय शांति-वार्ता के जरिये समाधान की बात दोहराई। मोदी ने साहस एवं निर्भयता से पुतिन को दो टूक कहा था कि यह युग युद्ध का नहीं। चूंकि भारतीय प्रधानमंत्री की मास्को यात्रा के मौके पर ही रूस ने यूक्रेन की राजधानी कीव में बच्चों के अस्पताल को भी निशाना बनाया, इसलिए उन्होंने बिना किसी संकोच यह भी कह दिया कि युद्ध या संघर्ष अथवा आतंकी हमलों में जब मासूम बच्चों की मौत होती है तो हृदय छलनी हो जाता है। देखना यह है कि यूक्रेन युद्ध पर भारतीय प्रधानमंत्री की फिर से खरी बात पर रूसी राष्ट्रपति कितना ध्यान देते हैं, लेकिन भारत को रूस के साथ अपनी मित्रता जारी रखते हुए यह स्पष्ट करते रहना होगा कि वह रूस-यूक्रेन युद्ध को यथाशीघ्र समाप्त होते हुए देखना चाहता है। यह केवल भारत ही नहीं, बल्कि विश्व शांति के भी हित में है। इसी के साथ भारत ने अपने मित्र देश को अपनी तकलीफ को साझा करते हुए यह एहसास दिलाने की भी कोशिश की गई कि चीन के साथ उसकी नजदीकी परोक्ष रूप से पाकिस्तान को उत्साहित करती है, जो भारतीय जमीन पर आतंकी गतिविधियों को खाद-पानी मुहैया कराने का काम करता है।

रूस भारत के सहयोग के लिये तत्पर रहता है, इसबार भी यह खबर भी सुकून देने वाली है कि रूस ने भारत के आग्रह पर न केवल रूसी सेना के सपोर्ट स्टाफ के रूप में भारतीयों की नियुक्ति रोकना स्वीकार कर लिया है बल्कि नियुक्त किए जा चुके युवाओं को स्वदेश भेजने पर भी मान गया है। इस दृष्टि से प्रधानमंत्री मोदी की यह यात्रा सफल कूटनीति के एक उत्तम उदाहरण के रूप में याद रखी जाएगी। भारतीय हितों की वकालत करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विश्व मानवता की बात करना इसी रणनीति का हिस्सा था। अन्य पहलू है, इस द्विपक्षीय रिश्ते में कौन-कौन से नए क्षेत्र शामिल किए जा सकते हैं, ताकि यह संबंध एक नई ऊंचाई पर पहुंच सके। विज्ञान-प्रौद्योगिकी और 'पीपुल-टु-पीपुल कॉन्टैक्ट' यानी आम लोगों के स्तर पर आपसी संबंध को आगे बढ़ाने पर रजामंदी को इसी नजरिये से देखा जाना चाहिए। इस यात्रा का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि पश्चिमी देशों के प्रतिबंधों की वजह से आने वाली दिक्कतों को दूर करना। भुगतान की टिकाऊ व्यवस्था पर जोर इसकी एक बानगी है। अच्छी बात यह भी रही कि ईंधन के मामले में भारत को स्थिरता प्रदान करने में रूसी योगदान की प्रधानमंत्री मोदी ने खुलकर सराहना की, जो उचित भी था, क्योंकि अब हम खाड़ी देशों के बजाय सबसे अधिक तेल रूस से ही आयात करने लगे हैं।

भारत-रूस की मैत्री का व्यापक महत्व है। यह पुराना मित्र देश का भारत की ताकत रहा है, मार्गदर्शक रहा है, हर सुख-दु:ख का साथी रहा है। नेहरु युग से ही भारत-रूस के बीच घनिष्ठ संबंध रहे हैं। दोनों देशों की संस्कृति, संगीत, कला, साहित्य के बीच भी गहरा आत्मीय लगाव रहा है। भारतीय फिल्में रूस में बड़े चाव से देखी जाती रही है। कश्मीर के मसले पर भारत जब-जब अलग-थलग पड़ता रहा, तब तब रूस ने भारत का साथ दिया। 1955 में रूस के राष्ट्रपति निकिता ख्रुश्चेव ने कश्मीर पर भारतीय संप्रभुता के लिए समर्थन की घोषणा करते हुए कहा था, 'हम इतने करीब हैं कि अगर आप कभी हमें पहाड़ की चोटियों से बुलाएंगे तो हम आपके पक्ष में खड़े होंगे।' आश्वासन सिर्फ मुंहजबानी नहीं था बल्कि सोवियत संघ ने 1957, 1962 और 1971 में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के उन प्रस्तावों को वीटो कर दिया था, जिसमें कश्मीर में अंतरराष्ट्रीय हस्तक्षेप की बात कही गई थी। भारत-पाकिस्तान के बीच संघर्ष के दौरान भी जब पाकिस्तान के पक्ष में अमेरिका भारत पर लगभग आक्रमण करने ही वाला था, तब रूस द्वारा भारत के पक्ष में भेजी गई सैन्य सहायता ने ही अमेरिका को अपने कदम पीछे खींचने पर मजबूर किया था। भारत को रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने में भी रूस का अनूठा योगदान रहा है। रूस ने ही भारत को सैन्य हथियारों व अन्य साजोसामान की आपूर्ति करके अपने दुश्मनों का सफलतापूर्वक सामना करने में समर्थ बनाया है। ऐसे भरोसेमंद देश के साथ जब बीच के दौर में आर्थिक कारणों व वैश्विक दबावों के चलते दूरी आने लगी थी तो दोनों ही देशों की जनता ने मांग उठायी कि ऐसे विश्वसनीय सहयोगी को खोना उचित नहीं होगा। मोदी की यात्रा से भारत-रूस संबंधों एवं मित्रता की नई इबारत लिखी गयी है, जिसके दूरगामी सकारात्मक परिणाम सुखद होने वाले हैं।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

संपादकीय

प्रगतिशील फैसला

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को तलाकशुदा मुस्लिम महिलाओं के अधिकारों के संरक्षण में ऐतिहासिक और क्रांतिकारी फैसला सुनाया है जिसका भारतीय राजनीति और समाज पर दूरगामी असर पड़ेगा। वस्तुतः शीर्ष अदालत का यह फैसला भारतीय समाज के एक विशेष धार्मिक समूह में मौजूद जड़ता, यथास्थितिवाद को तोड़ने वाला साबित होगा। यह एक प्रगतिशील फैसला है जिसमें मुस्लिम समाज की पीड़ित तलाकशुदा महिलाओं के भरण-पोषण के अधिकार सुरक्षित हो पाएंगे। धर्मनिरपेक्ष, लोकतांत्रिक और सभ्य समाज के

सभी लोगों ने सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले का स्वागत किया है। न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना और ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने अपने फैसले में कहा है कि तलाकशुदा मुस्लिम महिलाएं दंड़ प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 125 (गुजारा भत्ता प्राप्त करने का प्रावधान) सभी विवाहित महिलाओं पर लागू होती है, जिसके दायरे में मुस्लिम महिलाएं भी आती हैं। शीर्ष अदालत ने तलाकशुदा, बेसहारा और अपना भरण-पोषण करने में असमर्थ महिलाओं की आर्थिक और आवासीय सुरक्षा सुनिश्चित करने और उन्हें सशक्त बनाने पर जोर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने मुस्लिम महिला अधिनियम 1986 और सीआरपीसी की धारा 125 दोनों की व्याख्या करते हुए यह व्यवस्था दी है कि 1986 के कानून से सीआरपीसी की धारा 125 में दिए गए अधिकार समाप्त नहीं हो जाते। लोगों को याद होगा कि 1985 में शाहबानो का मामला बहुत चर्चित हुआ था और इस मामले ने तब की राजनीति को गहरे तक प्रभावित किया था। शाहबानो ने अपने पति मो. अहमद खान से तलाक के बाद मुआवजा के लिए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। कोर्ट ने मुआवजा देने का आदेशपारित किया था लेकिन मुस्लिम समुदाय के विरोध के कारण तब की राजीव गांधी सरकार ने संसद में कानून बनाकर शीर्ष अदालत के फैसले को पलट दिया था। तब से अब तक भारतीय राजनीति की धारा बहुत बदल गई है। अब कांग्रेस ने भी इस फैसले का स्वागत किया है। भाजपा का तो यहचुनावी मुद्दा ही रहा है। जाहिर है कि उसने भी स्वागत किया है। बहरहाल, इस मानवीय और कल्याणकारी फैसले से तलाकशुदा मुस्लिम महिलाओं के जीवन में नई रोशनी आएगी।

चिंतन-मनन

प्रकाशस्रोत परमात्मा

परमात्मा या भगवान ही सूर्य, चन्द्र तथा नक्षत्रों जैसी प्रकाशमान वस्तुओं के प्रकाशस्रोत हैं। वैदिक साहित्य बताता है कि वैकुंठ राज्य में सूर्य या चन्द्रमा की आवश्यकता नहीं पड़ती, क्योंकि वहां परमेश्वर का तेज विद्यमान है। भौतिक जगत में ब्रम्हज्योति या भगवान का आध्यात्मिक तेज भौतिक तत्वों से ढका रहता है। अत- हमें सूर्य, चन्द्र, बिजली आदि के प्रकाश की आवश्यकता पड़ती है। वैदिक साहित्य में स्पष्ट है कि भगवान आध्यात्मिक जगत (वैकुंठ लोक) में स्थित हैं। श्वेतातर उपनिषद में कहा गया है- आदित्यवर्ण तमस- परस्तात अर्थात वे सूर्य की भांति अत्यन्त तेजोमय हैं, लेकिन भौतिक जगत के अन्धकार से बहुत दूर हैं। उनका ज्ञान दिव्य है।

वैदिक साहित्य पुष्टि करता है कि ब्रम्ह घनीभूत दिव्य ज्ञान है। जो वैकुंठ जाने का इच्छुक है, उसे परमेश्वर द्वारा ज्ञान प्रदान किया जाता है। एक वैदिक मंत्र है तं ह देवम आत्मबुद्धिप्रकाशं मुमुक्षुवै शरणामहं प्रपद्ये। अर्थात मुक्ति के इच्छुक मनुष्य को चाहिए कि वह भगवान की शरण में जाए। जहां तक चरम ज्ञान के लक्ष्य का सम्बन्ध है, वैदिक साहित्य से भी पुष्टि होती है-तमेव विदित्वाति मृत्युमेति यानी उन्हें जान लेने के बाद ही जन्म तथा मृत्यु की परिधि को लांघा जा सकता है।

वे प्रत्येक हृदय में परम नियन्ता के रूप में स्थित हैं। परमेश्वर के हाथ-पैर सर्वत्र फैले हैं लेकिन जीवात्मा के विषय में ऐसा नहीं कहा जा सकता। अत-मानना ही पड़ेगा कि कार्यक्षेत्र जानने वाले दो ज्ञाता हैं- एक जीवात्मा तथा दूसरा परमात्मा। पहले के हाथ-पैर किसी एक स्थान तक सीमित हैं जबकि कृष्ण के हाथ-पैर सर्वत्र फैले हैं। इसकी पुष्टि श्वेतातर उपनिषद में इस प्रकार हुई है। सर्वस्थ प्रभुमीशानं सर्वस्य शरणं बृहत यानी वह परमेश्वर या परमात्मा समस्त जीवों का स्वामी या प्रभु है। वह उन सबका चरम आश्रय है। अत-इस बात से मना नहीं किया जा सकता कि परमात्मा तथा जीवात्मा भिन्न हैं।

नीट यूजी परीक्षा में हुए अरबों रुपए के घोटाले का पर्दाफाश

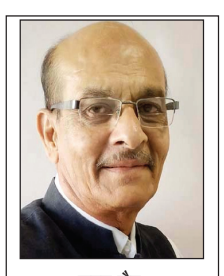

सनत जैन

हिंदी भाषियों की मातृभाषा बनी गुजराती...

मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस प्रवेश के लिए नीट परीक्षा नेशनल टेस्टिंग एजेंसी आयोजित करती है। इस परीक्षा के घोटाले का पर्दाफाश, गुजरात, बिहार की पुलिस और सीबीआई के द्वारा कर दिया गया है। जिसमें अरबो रुपए के घोटाले का खुलासा होने जा रहा है। कई राज्यों के परीक्षार्थियों को नीट की परीक्षा में अच्छे नंबरों से पास कराने के लिये, नेशनल टेस्टिंग एजेंसी की मिली-भगत से अभी तक का सबसे बड़ा घोटाला है। केंद्र आवंटन, परीक्षार्थियों के नामांकन और दलालों के माध्यम से, परीक्षार्थियों को चुनिंदा परीक्षा केंद्र आवंटित किए गए। सुनियोजित ढंग से जालसाजी करते हुए परीक्षाएं दिलवाई गईं। परीक्षार्थियों को 620 से 720 नंबर दिए गए। ताकि उनका एडमिशन एम्स और सरकारी अस्पतालों में प्राथमिकता के आधार पर हो सके। उड़ीसा, बिहार, महाराष्ट्र, राजस्थान, हरियाणा और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों के परीक्षार्थियों का नामांकन गुजराती भाषा में कराकर उन्हें

गुजरात का परीक्षा केंद्र दिया गया। जो अभ्यर्थी गुजरात के केंद्र में परीक्षा देने गए थे। उस परीक्षा केंद्र के प्रिंसिपल और परीक्षक को इस जालसाजी में सहयोगी बनाया गया। परीक्षार्थियों को पेपर बिना टिक किए हुए छोड़कर आने के लिए कहा गया। बाद में परीक्षा केंद्र के प्रिंसिपल और परीक्षक द्वारा केंद्र के बाहर प्रश्न पत्र लाकर उसमें टिक लगाए गये। वह एक तरह से सालवर की भूमिका में थे। परीक्षा के पेपर उसके बाद नेशनल टेस्टिंग एजेंसी के पास भेजे गए। गुजरात, बिहार की पुलिस और सीबीआई की प्रारंभिक जांच में इस गड़बड़ी के सबूत सामने आ चुके हैं। अन्य राज्यों के परीक्षार्थियों का स्थाई पता पंचमहल और बड़ोदरा का बताया गया था। इसी तरह की गड़बड़ी बिहार के पटना सेंटर में भी हुई है। गुजरात के गोधरा में सबसे पहले इस अपराध का मामला दर्ज हुआ था। इस मामले में गुजरात पुलिस ने अदालत को जो जानकारी प्रस्तुत की है, उसके अनुसार नीट के परीक्षार्थियों से दलालों ने 10 लाख रुपए नगद और ब्लैंक चेक लेकर उनकी परीक्षा दिलाने में मदद की। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार एम्स और सरकारी मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश दिलाने के नाम पर 60 लाख रूपये से लेकर 1 करोड़ रूपये में सौदा किया गया था। 10 लाख नगद एडवांस के तौर पर लिए गए थे। बेयरर ब्लैंक चेक बिना तारीख के लिया गया था। गुजरात पुलिस ने जांच के दौरान चेक और नगद राशि जप्त की है। सीबीआई भी चार स्थानों पर तलाशी ले चुकी है। जिस तरह से एक दशक पहले मध्य प्रदेश में व्यापम घोटाले के माध्यम से अरबों रुपए का घोटाला किया गया था, ठीक उसी तर्ज पर नीट परीक्षा 2024 में भी बड़े स्तर पर घोटाला किया गया है। एम्स और सरकारी मेडिकल कॉलेजों की फीस बहुत कम होती है। नीट परीक्षा में अधिक नंबर पाने वाले छात्रों को एम्स और सरकारी कॉलेज में प्राथमिकता से प्रवेश मिलता है। इस घोटाले में कोचिंग सेंटर के संचालक, और दलालों द्वारा नीट परीक्षा देने वाले छात्रों के पालकों से संबध स्थापित किया गया था। उनके साथ एमबीबीएस में एम्स और सरकारी मेडिकल कॉलेज में प्रवेश दिलाने के लिये सौदा किया गया। ऐसे परीक्षार्थियों को विशेष परीक्षा केंद्रों से सुनयोजित रूप से परीक्षा दिलवाई गई। इस षड्यंत्र में नेशनल टेस्टिंग एजेंसी के अधिकारी, परीक्षा कराने वाली एजेंसी की मिली-भगत से हजारों करोड़ों रुपए के नीट घोटाले का धीरे-धीरे पर्दाफाश हो रहा है। सुप्रीम कोर्ट में 18 जुलाई को सुनवाई होनी है। जिस तरह से परीक्षाओं में पेपर लीक हो रहे हैं। परीक्षाओं के माध्यम से बड़े-बड़े घोटाले हो रहे हैं। नीट परीक्षा में इस बार लगभग 24 लाख विद्यार्थी शामिल हुए थे। भारत का यह सबसे बड़ा परीक्षा घोटाला है। सुप्रीम कोर्ट में 38 याचिकाओं पर सुनवाई चल रही है, जिसमें परीक्षा निरस्त करने की मांग याचिका कर्ताओं द्वारा की गई है। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली बेंच इस मामले की सुनवाई कर रही है। जिस तरह से सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार, सीबीआई और नेशनल टेस्टिंग एजेंसी से विभिन्न बिंदुओं पर जानकारी मांगी है। उससे लगता है, सुप्रीम कोर्ट इस मामले में कोई सख्त फैसला दे सकता है।

उड्डयन मंत्रालय: संवेदनशील मसले के हित जरूरी

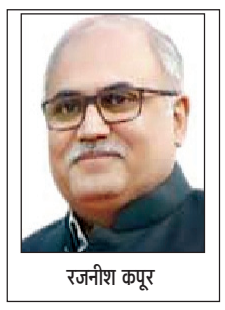

रजनीश कपूर

जब भी किसी बड़े उद्योगपति, अभिनेता, मशहूर हस्ती या राजनेता को हवाई यात्रा करनी पड़ती है तो वे अक्सर निजी चार्टर सेवा को ही चुनते हैं। निजी चार्टर सेवा महंगी तो अवश्य पड़ती है परंतु मशहूर हस्तियों को अपनी सुविधा अनुसार यात्रा करना और समय बचाना सुविधाजनक लगता है। साधारण एयरलाइन की तरह निजी चार्टर कंपनियों को भी देश के कानून का पालन करते हुए ये सेवाएं चलाने दी जाती हैं। नागरिक उड्डयन के सभी नियम और कानून का पालन सही तरह से हो, इसके लिए भारत सरकार के नागरिक उड्डयन मंत्रालय और उसकी विभिन्न एजेंसियां यह सुनिश्चित करते हैं कि एयरलाइन इनमें कोई कोताही न बरते। परंतु क्या ऐसा सभी के साथ हो रहा है? क्या किसी निजी चार्टर एयरलाइन के साथ कोई पक्षपात तो नहीं किया जा रहा?

ताजा मामला निजी चार्टर सेवा प्रदान करने वाली एक कंपनी का है। इस पर नागरिक उड्डयन मंत्रालय के अधिकारी विशेष मेहरबानियां कर रहे हैं। इसके चलते अति विशिष्ट व्यक्तियों की सुरक्षा के साथ न सिर्फ खिलवाड़ हो रहा है बल्कि दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश की धज्जियां भी उड़ाई जा रही हैं। 'ए आर

एयरवेज' नाम की निजी एयर चार्टर कंपनी यह खिलवाड़ कर रही है। उल्लेखनीय है कि किसी भी गैर-अनुसूचित एयरलाइन के शीर्ष प्रबंधन को नागरिक उड्डयन आवश्यकताएं धारा -3, श्रृंखला-सी, भाग- के पैरा 11 का अनुपालन करना होता है, जिसके अनुसारर 'गैर-अनुसूचित ऑपरेटर के परमिट के नवीनीकरण के लिए नई सुरक्षा मंजूरी की आवश्यकता होती है। कंपनी और उसके निदेशकों की व्यक्तिगत सुरक्षा मंजूरी के नवीनीकरण का अनुरोध परमिट की समाप्ति से 180 दिन पहले 'ई-सहज पोर्टल' के माध्यम से प्रस्तुत किया जाना चाहिए। सुरक्षा मंजूरी को प्राप्त करने के लिए कंपनी के वरिष्ठ अधिकारियों और निदेशकों को उनके खिलाफ लंबित कानूनी मामलों की घोषणा करना अनिवार्य होता है। इनमें से यदि किसी भी व्यक्ति को, किसी भी मामले में, दोषी पाया गया हो, तो उसकी सुरक्षा मंजूरी को तब तक वैध नहीं किया जा सकता जब तक वह कानूनी मामलों से मुक्त नहीं हो जाता। ऐसे व्यक्ति द्वारा इन तथ्यों को छिपाने पर संबंधित अधिकारियों द्वारा उस पर मुकदमा भी चलाया जा सकता है।

सिविल एविएशन रिक्वायरमेंट्स (सीएआर) के प्रावधानों के अनुसार, यदि किसी कारण से एयरलाइन के उच्च अधिकारियों की सुरक्षा मंजूरी रद्द कर दी जाती है तो उस कंपनी के 'एयर ऑपरेटर परमिट' का भी नवीनीकरण नहीं किया जा सकता। कानून का उल्लंघन करने पर जो भी करवाई होती है वो ज्यादातर आम नागरिकों पर ही होती है। परंतु आपके सत्ता में ऊंचे संपर्क हैं तो आप प्रायः कानूनी कार्रवाई से बच निकलते हैं। यही किया है भारत के नामी उद्योगपति अशोक चतुर्वेदी ने। 'ए आर एयरवेज' के नाम से पंजीकृत इनकी निजी चार्टर एयरलाइन को 'क्लब वन' के नाम से भी जाना जाता है। चूंकि यह एयरलाइन देश के जाने-माने और प्रभावशाली व्यक्तियों को अपनी सेवाएं प्रदान करती है शायद इसलिए चतुर्वेदी नियमों की धज्जियां उड़ा कर गृह मंत्रालय द्वारा 'सिक्योरिटी क्लीयरेंस' की बुनियादी आवश्यकताओं का लगातार उल्लंघन करते हुए एयरलाइन चला रहे हैं।

गौरतलब है कि 'ए आर एयरवेज' को एयर ऑपरेटर परमिट 2005 में दिया गया था जिसका समय-समय पर नवीनीकरण किया गया। आखिरी नवीनीकरण 2019 से 2024 तक किया गया परंतु इस कंपनी के मालिक अशोक कुमार चतुर्वेदी को 2010 में एक आपराधिक मामले में सीबीआई द्वारा दोषी ठहराया गया। चतुर्वेदी को 13 दिसम्बर, 2010 को इलाहाबाद उच्च न्यायालय के आदेश के तहत जमानत पर रिहा अवश्य किया गया परंतु आरोप मुक्त अभी तक नहीं किया गया। इस मामले में उनकी याचिका अभी भी उच्च न्यायालय के समक्ष लंबित है। उल्लेखनीय है कि इसी मामले में उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्य सचिव नीरा यादव को भी जेल जाना पड़ा था।

उल्लेखनीय है कि नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने 30 जुलाई, 2020 को 'ए आर एयरवेज' को 'कारण बताओ नोटिस' जारी किया जिसमें बताया गया कि गृह मंत्रालय से प्राप्त इनपुट के आधार पर नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने अपने पत्र 26 जून, 2020 के माध्यम से चतुर्वेदी की सुरक्षा मंजूरी के नवीनीकरण से इनकार कर दिया है। नोटिस में यह भी उल्लेख किया गया कि सुरक्षा मंजूरी से इनकार के मद्देनजर चतुर्वेदी नागरिक उड्डयन आवश्यकताओं का अनुपालन में नहीं कर रहे, इसलिए उन्हें यह नोटिस जारी किया गया कि उनका एयर ऑपरेटर परमिट भी क्यों न रद्द कर दिया जाए? चतुर्वेदी व उनकी कंपनी से संतोषजनक उत्तर न मिलने पर मंत्रालय ने 3 सितम्बर, 20 और 4 सितम्बर, 2020 के आदेशों के अनुसार उन्हें सुरक्षा मंजूरी देने से इनकार करने पर उनके कर्मचारियों के हवाई अड्डे के प्रवेश परमिट भी रद्द कर दिए।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अप्रैल-जून में किफायती अपार्टमेंट की आपूर्ति में 21फीसदी की गिरावट

नई दिल्ली। देश के प्रमुख शहरों में अप्रैल-जून में 50 लाख रुपए से कम कीमत वाले किफायती आवास की आपूर्ति में 21 फीसदी की गिरावट आई है। रियल एस्टेट सलाहकार जेएलएल इंडिया के मुताबिक बिल्डरों के अधिक प्रीमियम फ्लैट पेश करने की वजह से किफायती अपार्टमेंट की आपूर्ति में गिरावट आई है। जेएलएल इंडिया ने शुक्रवार को प्रमुख सात शहरों के आवासीय बाजार के आंकड़ों के मुताबिक अप्रैल-जून 2024 में अपार्टमेंट की नई आपूर्ति पांच फीसदी की वृद्धि के साथ 1,59,455 इकाई रही जो एक साल पहले समान अवधि में 151,207 इकाई थी। आंकड़ों में केवल अपार्टमेंट शामिल हैं। रोहाउस, विला और प्लॉटेड डेवलपमेंट को विश्लेषण से बाहर रखा है। अप्रैल-जून तिमाही में कुल नई आपूर्ति में से किफायती फ्लैट की पेशकश 13,277 इकाई रही, जो पिछले साला की अवधि की 16,728 इकाई से 21 प्रतिशत कम है। समीक्षा की अवधि में एक से तीन करोड़ रुपए मूल्य वर्ग में नई आपूर्ति तीन फीसदी बढ़कर 69,312 इकाई हो गई। यह पिछले साल समान अवधि में 67,119 इकाई थी। जेएलएल के भारत में आवासीय सेवाओं के प्रमुख वरिष्ठ प्रबंध निदेशक शिव कृष्णन ने कहा कि यह लक्षित ग्राहकों के बीच उच्च मूल्य वाले मकानों की मांग में वृद्धि के प्रति डेवलपर के रुझान को दर्शाता है। ये सात शहर दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, मुंबई महानगर क्षेत्र, कोलकाता, चेन्नई, बेंगलुरु, हैदराबाद और पुणे हैं।

सेबी की जांच के बीच क्वांट म्यूचुअल फंड के सीएफओ ने दिया इस्तीफा

नई दिल्ली। मार्केट रेगुलेटर भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने इन्वेस्टमेंट फर्म क्वांट म्यूचुअल फंड के खिलाफ जांच के बाद आज इसके चीफ फाइनेंशियल ऑफिसर (सीएफओ) हर्षल पटेल के इस्तीफे की खबर आ गई। क्वांट म्यूचुअल फंड ने सीएफओ के इस्तीफे के साथ यह भी जानकारी दी कि अब शशि कटारिया को हर्षल पटेल की जगह पर क्वांट मनी मैनेजर्स लिमिटेड के सीएफओ के रूप में नियुक्त किया गया है। कंपनी ने इस बात का खंडन किया कि सेबी की जांच की वजह से हर्षल पटेल ने इस्तीफा दिया है। क्वांट एमएफ ने कहा कि हर्षल ने व्यक्तिगत कारणों से 19 फरवरी, 2024 को ही इस्तीफा दे दिया था और उनकी सर्विस की अंतिम तारीख 19 मई 2024 थी। बाद में 10 जून को शशि कटारिया ने कंपनी जॉइन की और बोर्ड के फैसले के बाद 1 जुलाई 2024 से पद संभाला। शशि कटारिया के पास अकाउंटिंग, ऑडिट, डायरेक्ट और इनडायरेक्ट टैक्सेशन, फाइनेंस और एमआईएस, पेरोल और लेबर लॉ कंप्लॉयंस में 20 साल का अनुभव है। उन्होंने अपने इस करियर में 13 साल भारतीय म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री में बिताए हैं। क्वांट एमएफ जॉइन करने से पहले शशि कटारिया पहले पीपीएफएएस एएमसी में डायरेक्टर, सीओओ और सीएफटो के रूप में कार्यरत थे। मैनेजर फाइनेंस के रूप में, वह डीएसपी ब्लैकरॉक इन्वेस्टमेंट मैनेजर्स के साथ भी काम कर चुके हैं।

भारत में यात्री वाहनों की थोक बिक्री जून में 3 फीसदी बढ़ी

नई दिल्ली। भारत में यात्री वाहनों की थोक बिक्री जून में 3 फीसदी बढ़कर 3,37,757 इकाई हो गई। मोटर वाहन उद्योग के संगठन सियाम ने शुक्रवार को जानकारी देते हुए बताया कि जून 2023 में यात्री वाहन की थोक बिक्री 3,27,788 इकाई थी। सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (एसआईएएम) के आंकड़ों के मुताबिक पिछले महीने दो पहिया वाहनों की थोक बिक्री 21 फीसदी से बढ़कर 16,14,154 इकाई हो गई, जबकि जून 2023 में यह आंकड़ा 13,30,826 इकाई था। तीन पहिया वाहनों की थोक बिक्री पिछले साल जून में 12 फीसदी से बढ़कर 59,544 इकाई हो गई। जून 2023 में यह 53,025 इकाई थी।

बजट में सरकार ला सकती है ई-बैंक गारंटी, टैक्स चोरी पर लगाम लगाने का प्रस्ताव

नई दिल्ली।
केंद्र सरकार आम बजट में सीमा शुल्क नियमों में कई बदलाव करने का प्रस्ताव सदन में रख सकती है। इसका मकसद कुछ खास छूट देना और अनुपालन को बढ़ाना भी हो सकता है। इसकी जानकारी रखने वाले अधिकारियों ने बताया कि देश में विनिर्माण को बढ़ावा देने, झंझट के बगैर अनुपालन करने और कर चोरी पर लगाम लगाने के मकसद से सीमा शुल्क में कुछ जरूरी उपायों पर विचार-विमर्श किया गया है। सूत्रों ने बताया कि केंद्र सरकार राजस्व चोरी पर लगाम लगाने के इरादे से आयातकों के लिए इलेक्ट्रॉनिक बैंक गारंटी या ई-बैंक गारंटी शुरू करने की योजना बना रहा है। कुछ वस्तुओं पर शुल्क माफी जारी रखने और देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए चिकित्सा उपकरण और कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स जैसी कुछ वस्तुओं पर सीमा शुल्क की दरें बदलने की भी योजना है। रिफंड करने की प्रक्रिया और शुल्कों की विनिमय दरों की सूचना देने में लगने वाला समय कम करने से जुड़े उपायों पर भी चर्चा की गई। यदि सीमा शुल्क की रकम में अंतर होता है तो जो रकम जमा होती है उसके बराबर बैंक गारंटी अधिकारी मांगते हैं। गारंटी मिलने पर ही मंजूरी दी जाती है। एक अधिकारी ने बताया कि कागजी बैंक गारंटी का ज्यादा इस्तेमाल होता है, जिस पर नजर रखना अधिकारियों के लिए चुनौती होती है। इस वजह से सरकार को राजस्व का नुकसान उठाना पड़ता है। अधिकारी ने बताया कि अगर किसी व्यापारी से घटी हुई दर पर शुल्क लिया गया और बाद में पता चला कि असल में ज्यादा शुल्क लिया जाना था तो उसे सरकार को रकम देनी होती है। कागजी बैंक गारंटी के कारण यह रकम अक्सर डूब जाती है और सीमा शुल्क अधिकारी इसकी वसूली नहीं कर पाते। आयातकों को बैंक गारंटी मिलना आसान नहीं होता। उन्होंने कहा कि बैंक अवधि, आयातक की जोखिम रेटिंग और रकम आदि के हिसाब से बैंक गारंटी जारी करने के लिए प्रोसेसिंग शुल्क लेते हैं।

शॉपिंग मॉल के लिए खुदरा स्थानों की मांग बढ़ी

मुंबई ।

देश के आठ प्रमुख शहरों में खुदरा विक्रेताओं की बेहतर मांग के कारण अप्रैल-जून में शॉपिंग मॉल के लिए खुदरा स्थानों की मांग सालाना आधार पर 15 प्रतिशत बढ़कर 6.12 लाख वर्ग फुट हो गई। आंकड़ों के अनुसार, इन आठ प्रमुख शहरों में प्रमुख इलाकों में खुदरा स्थान की मांग कैलेंडर वर्ष 2024 की दूसरी तिमाही में सालाना आधार पर चार प्रतिशत बढ़कर करीब 14 लाख वर्ग फुट हो गई है। शॉपिंग मॉल के लिए स्थान की मांग अप्रैल-जून 2024 में बढ़कर 6,12,396 वर्ग फुट हो गई, जो एक साल पहले समान अवधि में 5,33,078 वर्ग फुट थी। समीक्षाधीन अवधि में प्रमुख इलाकों में मांग चार प्रतिशत बढ़कर 13,89,768 वर्ग फुट हो गई। पिछले साल समान अवधि में यह 13,31,705 वर्ग फुट थी। इसमें शॉपिंग मॉल ग्रेड ए तथ ग्रेड बी और सभी प्रमुख प्रमुख इलाकों के आंकड़े शामिल हैं। ये आठ शहर दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर), मुंबई, चेन्नई, कोलकाता, बेंगलुरु, हैदराबाद, पुणे और अहमदाबाद हैं।

सोने और चांदी की कीमतों में नरमी आई

नई दिल्ली । घरेलू बाजार में शुक्रवार को सोने और चांदी की कीमतों में नरमी आई है। दोनो ही कीमती धातुओं के वायदा कारोबार में आज कमजोरी दर्ज की गयी। दोनों के ही वायदा भाव में खुलते ही गिरावट दर्ज की गयी। कुछ समय बाद ही सोने के वायदा भाव 73,250 रुपये के करीब जबकि चांदी के वायदा भाव 93,800 रुपये के आसपास कारोबार कर रहे थे। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने के वायदा भाव की शुरुआत फीकी रही जबकि चांदी के वायदा भाव की शुरुआत अच्छी रही। वहीं मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अगस्त अनुबंध आज 107 रुपये की टूटकर 73,204 रुपये के भाव पर खुला। यह अनुबंध 71 रुपये नीचे आकर 73,240 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। ये 73,246 रुपये के भाव पर दिन के उच्च और 73,173 रुपये के भाव पर दिन के निचले स्तर पर पहुंचा। सोने के वायदा भाव इस साल 74,442 रुपये के शीर्ष स्तर पर पहुंचे थे। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत आज अच्छी नहीं रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क सितंबर अनुबुंध आज 179 रुपये की गिरावट के साथ ही 94,011 रुपये पर खुला। वहीं चांदी के वायदा भाव 96,493 रुपये के सर्वोच्च स्तर पर पहुंचे। दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने के वायदा भाव की शुरुआत अच्छी नहीं रही। चांदी के वायदा भाव तेज शुरुआत के बाद नीचे आने लगे। कामेक्स पर सोना 2421 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। इसका पिछला बंद भाव 2,421.90 डॉलर प्रति औंस था। कामेक्स पर चांदी के वायदा भाव 31.72 डॉलर के भाव पर खुले। पिछली बार ये 31.67 डॉलर पर बंद हुए थे।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 622 , निफ्टी 186 अंक ऊपर आया

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार शुक्रवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीदारी हावी रहने से आया है। इससे पिछले दो दिनों से जारी गिरावट भी रुक गयी। आज कारोबार के दौरान आईटी कंपनी टीसीएस की पहली तिमाही के अच्छे परिणामों से बेंचमार्क इंडेक्स सेंसेक्स और निफ्टी अपने नये शीर्ष स्तर पर पहुंच गए। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई अंत में 622.00 अंक करीब 0.78 फीसदी की बढ़त के साथ ही 80,519.34 के रिकॉर्ड स्तर पर बंद हुआ।

वहीं दूसरी ओर 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 186.20 अंक तकरीबन 0.77 फीसदी की बढ़त के साथ 24,502.15 के नए शिखर पर बंद हुआ।

आज के कारोबार में सेंसेक्स के 20 शेयर बढ़त पर बंद हुए। वित्त वर्ष 2025 के लिए जून तिमाही में टीसीएस के परिणाम अच्छे रहे और शेयरों में आज लगभग 7 फीसदी की बढ़त रही। वहीं अन्य प्रमुख आईटी कंपनियों इंफोसिस, एचसीएल टेक, टेक महिंद्रा के शेयरों में भी बढ़त रही। इसके अलावा, एक्सिस बैंक, जेएसडब्ल्यू स्टील, रिलायंस, बजाज फाइनेंस, अल्ट्राटेक सीमेंट, एलएंडटी, एसबीआई, एसयूएल बैंक, बजाज फिनसर्व, एमएंडएम, एचडीएफसी बैंक, अदाणी पोर्ट्स, पावर ग्रिड, आईटीसी और एनटीपीसी के शेयर भी लाभ में रहे।

वहीं दूसरी ओर सेंसेक्स के शेयरों में 10 शेयर नुकसान के साथ ही नीचे आये। मारुति, एशियन पेंट्स, कोटक बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और टाइटन सेंसेक्स के सबसे अधिक

नुकसान वाले शेयर रहे। इसके अलावा, भारती एयरटेल, टाटा मोटर्स, सन फार्मा, टाटा स्टील और नेस्ले इंडिया के शेयर भी नीचे आये।

वहीं गत कारोबारी सत्र में बाजार हल्की गिरावट पर बंद हुआ था।

इससे पहले आज सुबह घरेलू शेयर बाजार में सपाट शुरुआत के बाद तेजी आई। दिग्गज आईटी कंपनियों टीसीएस और इंफोसिस के शेयरों में आये उछाल से बाजार में ये तेजी आई। सुबह 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 293 अंक करीब 0.37 फीसदी की तेजी के साथ 80,191 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 101 अंक तकरीबन 0.44 फीसदी की बढ़त के साथ ही 24,423 पर था। वहीं मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में भी हल्की बढ़त बनी रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 173 अंक करीब 0.30 फीसदी बढ़कर 57,321 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 108 अंक तकरीबन 0.58 फीसदी ऊपर आकर 19,028 पर रहा।

इन्वेस्टमेंट फर्म इन्वेस्को ने पाइन लैब्स और स्विगी की फेयर वैल्यू में की कटौती

वाशिंगटन।

अमेरिकी इन्वेस्टमेंट फर्म इन्वेस्को ने फिनटेक फर्म पाइन लैब्स और फूड डिलीवरी कंपनी स्विगी की फेयर वैल्यू में कटौती कर दी है। यह जानकारी एक रिपोर्ट में दी गई है। इन्वेस्को ने अप्रैल तक पाइन लैब्स की वैल्यूएशन 3.5 अरब डॉलर की है, जबकि 31 जनवरी को यह 3.8 अरब डॉलर और 31 दिसंबर 2023 को 4.8 अरब डॉलर थी। डेटा प्लेटफार्म ट्रैक्शन के मुताबिक इन्वेस्को के पास पाइन लैब्स में करीब 2.8 फीसदी हिस्सेदारी है, बारोन कैपिटल के पास 1.3 फीसदी, और पार्क एक्सवी पार्टनर के पास 20.6 फीसदी हिस्सेदारी है। इसके अलावा, एक्टिस के पास 7.8 फीसदी, टेमासेक के पास 7.7 फीसदी और अल्फा वेव के पास 3.4 फीसदी हिस्सेदारी है। फिनटेक कंपनी पेपाल के पास 6.0 फीसदी और मास्टरकार्ड के पास 5.2 फीसदी हिस्सेदारी है। सूत्रों के मुताबिक पाइन लैब्स भारत में एक बिलियन डॉलर का आईपीओ लाने की तैयारी में है। इन्वेस्को की कार्रवाई पाइन लैब्स को सिंगापुर कोर्ट से अपना बेस भारत में रीलोकेट करने की मंजूरी मिलने के बाद आई है, जिससे उसकी सिंगापुर और भारतीय यूनिट्स का मर्जर हो जाएगा। कंपनी आईपीओ में 6 बिलियन डॉलर से ज्यादा की वैल्यूएशन प्राप्त कर सकती है। यह नए और सेकंडरी शेयर दोनों जारी कर सकती है और किसी भी लिस्टिंग से पहले एक प्री-आईपीओ फंडरेजिंग राउंड भी कर सकती है। सूत्रों के मुताबिक पाइन लैब्स ने न्यूयॉर्क में आईपीओ के लिए यूएस सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज कमीशन के साथ गुप्त रूप से डॉक्यूमेंट फाइल किए थे। लिस्टिंग पाइन लैब्स को 5.5 बिलियन डॉलर से सात बिलियन डॉलर की वैल्यूएशन दे सकती थी। कंपनी ने अस्थिर बाजार के कारण विदेशी आईपीओ की योजना स्थगित कर दी है। इन्वेस्को ने स्विगी के पिछले फंडिंग राउंड का नेतृत्व किया था। फर्म ने पिछली तिमाही के मुकाबले, 30 अप्रैल तक फूड डिलीवरी दिग्गज स्विगी की फेयर वैल्यू में कटौती की है। स्विगी ने जनवरी 2022 में इन्वेस्को के नेतृत्व में 700 मिलियन डॉलर कमाए थे, जिससे भारतीय कंपनी की वैल्यूएशन दोगुना होकर 10.7 बिलियन डॉलर हो गई थी। रेगुलेटरी फाइलिंग्स के मुताबिक इस साल की शुरुआत में, इन्वेस्को ने आईपीओ की योजना बना रही कंपनी स्विगी की वैल्यूएशन को तीसरी बार बढ़ाकर 12.7 बिलियन डॉलर कर दिया, जो पिछले फंडिंग के समय वैल्यूएशन से 19 फीसदी ज्यादा है।

दक्षिण कोरिया में सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स के 31000 कर्मचारी अनिश्चितकालीन हड़ताल पर

सियोल । सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स के श्रम संघ से जुड़े कर्मचारियों अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए है। दक्षिण कोरिया की सबसे बड़ी कंपनी के ये कर्मचारी उच्च वेतन और अन्य लाभों की मांग कर रहे हैं। नेशनल सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स यूनियन के हजारों सदस्यों ने सोमवार को अस्थायी तीन दिवसीय हड़ताल शुरू की थी। यूनियन ने कहा कि वह अनिश्चितकालीन हड़ताल की घोषणा कर रही है, यूनियन ने प्रबंधन पर बातचीत को लेकर अनिच्छुक होने का आरोप लगाया है। यूनियन के बयान में कहा गया है कि हम अपनी जीत को लेकर आश्वासित हैं। इस बीच सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स ने कहा कि हड़ताल उत्पादन में कोई बाधा नहीं आएगी और वे बातचीत को तैयार हैं। सैमसंग के एक बयान में कहा गया कि सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स यह सुनिश्चित करेगा कि उत्पादन श्रृंखला में कोई व्यवधान न हो। यूनियन के साथ सदभावपूर्ण वार्ता के लिए कंपनी प्रतिबद्ध है। वहीं जानकारों का कहना हैं कि सैमसंग की हड़ताल से पूरी दुनिया में बुरा असर पड़ सकता है। द नेशनल सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स यूनियन ने बताया कि हफ्ते की शुरुआत में सेमीकंडक्टर डिवीजन में काम करने वाले करीब 6000 कर्मचारियों ने हड़ताल शुरू की थी। अब इसमें लगभग 31 हजार लोग शामिल हो चुके हैं। यूनियन ने चेतावनी देकर कहा कि अगर सैमसंग ने जल्द वार्ता शुरू नहीं की तब उन्हें बहुत पछताना पड़ेगा।

भारत नए ट्रांसशिपमेंट टर्मिनल में 1.2 अरब डॉलर निवेश करेगा अडाणी ग्रुप

नई दिल्ली

अडाणी ग्रुप की कंपनी अडाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन लिमिटेड ने अपने दक्षिण भारत के ट्रांसशिपमेंट कंटेनर पोर्ट को मजबूत करने 10,000 करोड़ रुपये यानी (1.2 बिलियन डॉलर) के निवेश की योजना है। इसका उद्देश्य दुनिया के सबसे बड़े जहाजों को आकर्षित करना है। मीडिया रिपोर्ट के हवाले से बताया गया है केरल में पहले विझिंजम पोर्ट में निवेश उस प्रोजेक्ट के दूसरे फेज का हिस्सा है जिसके 2028 तक पूरा होने की उम्मीद है। अडाणी ग्रुप के योजनाओं से परिचित लोगों के मुताबिक अडाणी पोर्ट्स ने दुनिया की सबसे बड़ी कंटेनर लाइनों जैसे एमएससी, एपी मोलर-मेयर्स्क एएस और हापग-लेयार्ड को पोर्ट पर लाने की योजना है। विझिंजम पोर्ट भारत के दक्षिणी सिरे पर स्थित है और अंतरराष्ट्रीय शिपिंग मार्गों के पास है। पोर्ट 800-मीटर कंटेनर में ट्रायल रन के हिस्से के रूप में कल ही यानी 11 जुलाई को पहले मदरशिप की अगवानी कर इतिहास रचा है। अडाणी ग्रुप का यह बंदरगाह इस साल सितंबर में ओणम पर व्यावसायिक रूप से चालू हो जाएगा। जहाज एमवी सैन फर्नांडो के इस बंदरगाह पहुंचने पर करीब हजार लोग मौजूद थे और इस अवसर पर तिरंगा फहराया गया। टनबोट के जरिए इस जहाज को पानी की सलामी दी गई। विझिंगम पोर्ट का उद्घाटन अक्टूबर में किया गया था। एशिया के दूसरे सबसे अमीर उद्योगपति गौतम मेयर्स्क के ग्रुप का प्रयास है कि भारत को दुनिया के सबसे बड़े कंटेनर जहाजों के नक्शे पर लाया जाए और वर्तमान में चीन द्वारा प्रभुत्व वाले अंतरराष्ट्रीय समुद्री व्यापार का एक बड़ा हिस्सा हासिल किया जा सके। अब तक ऐसे कंटेनर भारत के बंदरगाहों की गहराई के अभाव के कारण भारत आने से बचते हैं और इसके बजाय कोलंबो, दुबई और सिंगापुर के बंदरगाहों पर डॉक होते थे। निवेश का उपयोग मौजूदा बर्थ की लंबाई बढ़ाने और पोर्ट के ब्रेकवाटर को बढ़ाने के लिए किया जाएगा। ब्रेकवाटर एक समुद्र में बनाई गई चट्टानी दीवार है जो बंदरगाह को तरंगों की ताकत से बचाती है।

मई में रिकॉर्ड हाई.....जून में गोल्ड में रहा उतार-चढ़ाव

नई दिल्ली। गोल्ड के लिए पिछला महीना उतार-चढ़ाव भरा रहा। मई में रिकॉर्ड हाई पर पहुंचने के बाद घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजार दोनों में कीमतें जून 2024 के दौरान स्थिर रहीं। यूएस डॉलर इंडेक्स और बॉन्ड यील्ड में तेजी के बावजूद सोने का रेंज-बाउंड रहना काफी मायने रखता है। माना जाता हैं कि ये दोनों फैक्टर यदि मजबूत हो, तब सोने की कीमतों पर दबाव बढ़ता है। जानकारों के अनुसार लगातार दूसरे माह ग्लोबल लेवल पर गोल्ड ईटीएफ में बढ़े निवेश ने सोने की कीमतों को संभालने यानी रेंज बाउंड रखने में मदद की। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक जून में एशिया और यूरोप से निकली खरीदारी ने उत्तरी अमेरिका से हुई निकासी को पीछे छोड़ दिया। दो महीने के लगातार इनफ्लो के कारण इस कैलेंडर साल की पहली छमाही के दौरान आउटफ्लो घटकर 6.7 बिलियन डॉलर (120 टन) रह गया। बावजूद मौजूदा कैलेंडर साल की पहली छमाही गोल्ड ईटीएफ के लिए ग्लोबल लेवल पर 2013 के बाद सबसे बुरी रही। सिर्फ एशियाई देशों से इस दौरान इनफ्लो देखने को मिला जबकि यूरोप और उत्तरी अमेरिका से भारी आउटफ्लो दर्ज किया गया। रिपोर्ट के मुताबिक ग्लोबल लेवल पर लगातार दूसरे महीने जून में गोल्ड ईटीएफ में निवेश में इजाफा हुआ। इसके पहले लगातार 12 माह की गिरावट के बाद मई में गोल्ड ईटीएफ में शुद्ध निवेश बढ़ा था। जून 2024 के दौरान ग्लोबल लेवल पर गोल्ड ईटीएफ में निवेश में 1.4 बिलियन डॉलर (17.5 टन सोने की वैल्यू के बराबर) का इजाफा हुआ। मई 2024 के दौरान भी गोल्ड ईटीएफ में निवेश 0.5 बिलियन डॉलर (8.2 टन सोने की वैल्यू के बराबर) बढ़ा था। इसके पहले मई 2023 में गोल्ड ईटीएफ में 1.7 बिलियन डॉलर (19.3 टन सोने) का शुद्ध निवेश हुआ था। मार्च 2023 और अप्रैल 2023 में भी गोल्ड ईटीएफ में निवेश क्रमशः 1.9 बिलियन (32.1 टन) और 0.8 बिलियन डॉलर (15.4 टन) बढ़ा था। जबकि अप्रैल 2022 से लेकर फरवरी 2023 तक लगातार 11 महीने गोल्ड ईटीएफ में निवेश घटा था। अप्रैल 2024 में 2.2 बिलियन डॉलर (33.2 टन) की निकासी की गई थी। इसके पहले मार्च, फरवरी, जनवरी, दिसंबर, नवंबर, अक्टूबर, सितंबर, अगस्त, जुलाई और जून के दौरान क्रमशः 0.8 बिलियन डॉलर (13.6 टन), 2.9 बिलियन डॉलर (48.7 टन), 2.8 बिलियन डॉलर (50.9 टन), 1.1 बिलियन डॉलर (9.5 टन), 0.9 बिलियन डॉलर (9.4 टन), 2.1 बिलियन डॉलर (36.5 टन), 3.2 बिलियन डॉलर (58.7 टन), 2.5 बिलियन डॉलर (45.7 टन), 2.3 बिलियन डॉलर (34.7 टन) और 3.7 बिलियन डॉलर (55.9 टन) की निकासी की गई थी।

0001, 0002, 0007 जैसे वीआईपी नंबरों पर लाखों लुटा रहे लोग

-गाड़ी की कीमत से भी महंगे बिके नंबर प्लेट

नई दिल्ली ।

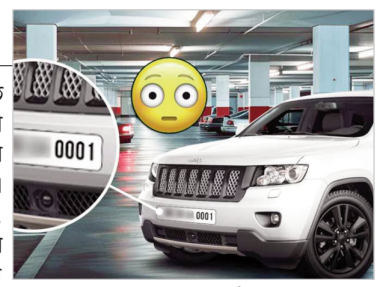

हमारे देश में कुछ वीआईपी नंबर तो गाड़ी की कीमत से भी महंगे में बिक रहे हैं। जानकारी के मुताबिक, इस साल देश के विभिन्न ट्रांसपोर्ट कार्यालयों ने लाखों रुपये में फैंसी नंबरों की नीलामी की है। इनमें से कुछ नंबर तो ऐसे हैं जिनकी कीमत एक फुल साइज एसयूवी से भी अधिक है। देश में कुछ सबसे ज्यादा डिमांड वाले गाड़ियों के फैंसी नंबरों में 0001, 0002, 0007 जैसे नंबर रहे, जिन्हें लोगों ने लाखों रुपये देकर खरीदा। ये नंबर आरटीओ द्वारा ऑनलाइन नीलामी के जरिये बेचे जाते हैं। नीलामी में बेचे गए नंबरों की जानकारी क्षेत्रीय आरटीओ के वेबसाइट पर उपलब्ध होती हैं। दिल्ली आरटीओ से मिली जानकारी के अनुसार, मार्च में नीलाम होने वाला सबसे महंगा फैंसी नंबर 23 लाख रुपये का था। इससे पहले 2017 में इसे 16 लाख रुपये में बेचा गया था। इसके अलावा 0009 नंबर सबसे महंगी नीलामी में दूसरे पायदान पर रहा जिसके लिए लोगों ने 11 लाख रुपये चुकाए। बता दें कि पूर्व इंडियन क्रिकेट कप्तान महेंद्र सिंह धोनी का प्लेयर नंबर 0007 भी खूब डिमांड में रहा। इस नंबर की नीलामी जनवरी में 10.8 लाख रुपये में हुई थी, वहीं जून में इसे 5 लाख रुपये में बेचा गया। धोनी के अलावा इस नंबर को जेम्स बान्ड फिल्म के लिए भी जाना जाता है। जून में सबसे सस्ता नंबर 4444 रहा जिसकी निलामी 1,60,000 रुपये में की गई। आरटीओ फैंसी नंबरों की नीलामी कर हर साल करोड़ों रुपये का राजस्व इकट्ठा करते हैं। इन नंबरों को खरीदने में सेलिब्रेटीज, नेता और बिजनेसमैन से लेकर एमपी और एमएलए और सीनियर ब्योरोक्रेट्स तक शामिल होते हैं। सबसे ज्यादा डिमांड में रहने वाले फैंसी नंबरों की बात करें, तो इनमें 0001, 0002, 0005, 0006, 0007, 0008, 0009 और 1111 जैसे नंबर शामिल हैं। बता दें कि कई बार महंगी गाड़ियां सिर्फ इसलिए खरीदी जाती हैं क्योंकि उसे खरीदने वाले को अपने स्टेटस का प्रदर्शन करना होता है।

स्मार्टफोन में सॉफ्टवेयर अपडेट देना बंद कर देती है कंपनियां

-हर सामान की होती है मोबाइल की भी एक्सपायरी डेट

नई दिल्ली ।

क्या आपको पता है कि एक्सपायरी डेट से ये तय होता है कि सामान को कब तक इस्तेमाल किया जा सकता है। जैसे हर सामान की एक्सपायरी डेट होती है, उसी तरह फोन में भी कुछ ऐसे संकेत मिलने लगते हैं जिससे कि ये तय होता है कि अब आपको नया फोन ले लेना चाहिए। अगर आपको इसके बारे में नहीं पता तो इसके बारे में विस्तार से जानने में हम आपकी मदद करते हैं। ऑफिशियल तौर पर कभी फोन की कोई एक्सपायरी डेट नहीं तय की जाती है। लेकिन कुछ ऐसी चीजें होती है जिससे हमें ये मालूम चल जाता है कि अब फोन बदलने का समय आ गया है। मोबाइल बनाने वाली कंपनियां 2-3 साल बाद स्मार्टफोन में सॉफ्टवेयर अपडेट देना बंद कर देती हैं। इससे पुराने स्मार्टफोन यूज करने लायक नहीं रहते हैं और आपको न चाहते हुए भी स्मार्टफोन बदलना पड़ता है। सॉफ्टवेयर अपडेट कितने साल तक मिलेगा ये उस दिन से नहीं शुरू होता है, जिस दिन से आपने फोन इस्तेमाल करना शुरू करते हैं। बल्कि उस दिन से शुरू होता है जो डेट फोन के बॉक्स पर मैनुफैक्चरिंग के तौर पर लिखी होती है। आज स्मार्टफोन औसतन 2.5 साल की लाइफ के साथ आता है। हालांकि कुछ डिवाइस के लिए के लिए टाइम कम या ज्यादा हो सकता है। कहा जाता है कि एक आईफोन की लाइफ करीब 4 से 8 साल तक, सैमसंग फोन की लाइफ 3 से 6 साल तक और गूगल पिक्सल की लाइफ 3 से 5 साल तक हो सकती है। हालांकि ये इसपर भी निर्भर भी करता है कि आप अपने फोन का इस्तेमाल किस तरीके से करते हैं। कुछ लोग होते हैं जो फोन को ऐसे प्यार और केयर करके इस्तेमाल करते हैं कि उनकी फोन की लाइफ बढ़ जाती है। वहीं कुछ ऐसे भी हैं जो फोन पर उतना ध्यान नहीं देते हैं और चार्जिंग को लेकर भी सावधानियां नहीं बरतते हैं जिससे फोन समय से पहले ही खराब होने लगता है। एक्सपायरी डेट खत्म होने का मतलब होता है कि अब वह सामान काम का नहीं रहा और वह इस्तेमाल करने लायक नहीं है।

भारतीय क्रिकेट टीम चौथे टी20 में जिम्बाब्वे को हराकर सीरीज जीतने उतरेगी

हरारे (एजेंसी)। शुभमन गिल की कप्तानी में भारतीय क्रिकेट टीम शनिवार को यहां चौथे टी20 मैच में जिम्बाब्वे को हराकर सीरीज अपने नाम करने उतरेगी। भारतीय टीम पांच मैचों की टी20 सीरीज में अभी 2-1 से आगे है। पहले मैच में मेजबान टीम के हाथों मिली हार के बाद वापसी करते हुए भारतीय टीम ने दूसरा और तीसरा मैच जीता है। अब भारतीय टीम के बल्लेबाज और गेंदबाज लय में आ गये हैं। ऐसे में उसे इस मैच में जीत का प्रबल दावेदार बताया जा रहा है। टीम के कप्तान शुभमन गिल ने पिछले मैच में अर्धशतक लगाया था और वह उस प्रदर्शन को जारी रखना चाहेंगे। टीम की ओर से दूसरे मैच में आतिशी शतक गाने वाले अभिषेक भी इस मैच में एक बार फिर बड़ी पारी खेलना चाहेंगे। यशस्वी जायसवाल ने भी पिछले मैच में अच्छा प्रदर्शन किया था।

टीम के पास ऑलराउंडर के तौर पर सुंदर हैं। स्पिन गेंदबाज होने के साथ वह निचले क्रम के अच्छे बल्लेबाज भी हैं। पिछले मैच में सुंदर ने काफी अच्छी गेंदबाजी की थी। टीम के पस स्पिनर रवि बिश्नोई भी हैं। रवि ने अब तक हुए मैचों में जबरदस्त गेंदबाजी कर मेजबानों पर अंकुश लगाया हुआ है। बिश्नोई के अलावा तेज गेंदबाज आवेश खान और वॉशिंगटन ने भी अब तक छह-छह विकेट लिए हैं। मुकेश कुमार को पिछले मैच में आराम दिया गया था ऐसे में इस मैच में वह आवेश की जगह उतर सकते हैं।

वहीं अवसर मिलने परसंजू सैमसन और शिवम दुबे भी इस मैच में बेहतर प्रदर्शन करना चाहेंगे। दूसरी ओर मेजबान टीम की राह बेहद कठिन है। उसके बल्लेबाज और गेंदबाज

भारतीय टीम के सामने काफी कमजोर साबित हुए है। उसे अगर इस मैच में उलटफेर करना है तो कप्तान सिकंदर रजा के साथ ही तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुजाराबानी और डियोन मायर्स को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। इसके अलावा अन्य खिलाड़ियों को भी योगदान देना होगा।

टीम

भारत = शुभमन गिल (कप्तान), अभिषेक शर्मा, रुतुराज गायकवाड़, शिवम दुबे, रियान पराग, संजू सैमसन (विकेट कीपर), रिंकू सिंह, वाशिंगटन सुंदर, अवेश खान, मुकेश कुमार, रवि बिश्नोई।

जिम्बाब्वे = सिकंदर रजा (कप्तान), वेस्ली मधेवेरे, इनोसेंट काइया, ब्रायन बेनेट, डायोन मायर्स, जॉनथन कैंपबेल, क्लाइव मडांडे (विकेट कीपर), वेलिंगटन मसाकाद्जा, ल्यूक जोंगवे, ब्लेसिंग मुजारबानी, टेंडाई चतारा।

विराट को नहीं जानते फुटबॉलर इब्राहिमोविच

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्वीडन के पूर्व पेशेवर फुटबॉलर ज्लाटन इब्राहिमोविच ने कहा है कि वह विराट कोहली को नहीं जानते हैं। स्ट्राइकर इब्राहिमोविच ने एक साक्षात्कार में कहा है कि वह क्रिकेट नहीं देखते इसलिए विराट नाम के किसी व्यक्ति को नहीं जानते। मेरिका के सोशल मीडिया स्टार डैरेन जेसन वॉट्किंस जूनियर के साथ बातचीत के दौरान इब्राहिमोविच ने ये बातें कहीं। इस फुटबॉलर ने कहा है कि वह किसी का अपमान नहीं कर रहे पर ये भी सच है कि वह किसी विराट को नहीं जानते। इब्राहिमोविच जहां विराट से काफी काफी धनी हैं और उनकी नेटवर्थ विराट से तीन गुनी ज्यादा है। वहीं फालोवर्स की बात करें तो वह विराट से कहीं पीछे हैं।

इब्राहिमोविच के इंस्टाग्राम पर 64 मिलियन फॉलोवर्स हैं जबकि विराट के 270 मिलियन। इस प्रकार फॉलोवर्स के मामले में उनकी लोकप्रियता विराट से काफी कम है। वहीं नेटवर्थ में विराट उनसे काफी पीछे हैं। जहां विराट की नेटवर्थ 1000 करोड़ के करीब है तो वहीं, इब्राहिमोविच की नेटवर्थ विराट कोहली से 15 गुना अधिक है। इब्राहिमोविच की नेटवर्थ करीब 15000 करोड़ रुपए के करीब है। वह ब्रांड एंडोर्समेंट के जरिए अरबों रुपए की कमाई करते हैं। विराट जहां अपनी बल्लेबाजी के लिए जाते जाते हैं। वहीं इब्राहिमोविक अपने कलाबाज स्ट्राइक और वॉली, तकनीक और गेंद पर नियंत्रण के साथ-साथ अपने शारीरिक प्रभुत्व के लिए जाने जाते हैं। उन्हें अब तक के सबसे महान स्ट्राइकरों में से एक माना जाता है और वे दुनिया के सबसे सम्मानित फुटबॉलरों में से एक हैं, जिन्होंने अपने करियर में 34 ट्रॉफी जीती हैं। उन्होंने 570 से अधिक करियर गोल भी किए हैं, जिनमें 500 से अधिक क्लब गोल शामिल हैं।

इंग्लैंड ने वेस्टइंडीज को रौंदा, एंडरसन ने 704 विकेट के साथ टेस्ट करियर खत्म किया

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड के महान तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन ने दूसरी पारी में 32 रन पर तीन विकेट चटकाकर पहले टेस्ट मैच के तीसरे दिन वेस्टइंडीज के खिलाफ अपनी टीम को एकतरफा जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। पहली पारी में 121 रन बनाने वाली वेस्टइंडीज की टीम दूसरी पारी मैच के तीसरे दिन शुरुआती घंटे के अंदर 136 रन पर सिमट गयी। इंग्लैंड ने पारी और 114 रन से यादगार जीत दर्ज की। एंडरसन ने अपने करियर के आखिरी और 188वें टेस्ट मैच में कुल चार विकेट झटके जिससे इस प्रारूप में उनका करियर 704 विकेट के साथ खत्म हुआ। वेस्टइंडीज ने दिन की शुरुआत छह विकेट पर 79 रन से आगे से की, टीम इस समय इंग्लैंड से 171 रन पीछे थी। एंडरसन ने जोसुआ डिसिल्वा को आउट कर इंग्लैंड को दिन की पहली सफलता दिलायी। एंडरसन की बाहर निकलती गेंद डिसिल्वा के बल्ले का किनारा लेते हुए विकेटकीपर के दस्ताने में चली गयी।

उन्हें एक और सफलता मिल जाती लेकिन उन्होंने गुडाकेश मोती (नाबाद 31) का कैच खुद ही टपका दिया। गट एटकिंसन ने आखिरी के तीनों विकेट चटकाकर पारी में पांच और मैच में कुल 12 विकेट लेकर अपने पदार्पण को यादगार बनाया। वह 1946 में एलेक बेडसर के बाद घरेलू मैदान पर एक टेस्ट में 10 विकेट लेने वाले इंग्लैंड के पहले गेंदबाज बन गए। एंडरसन टेस्ट में 700 से अधिक विकेट लेने वाले इकलौते तेज गेंदबाज है। वह मुथैया मुरलीधरन (800) और शेन वार्न (708) के बाद इस प्रारूप के तीसरे सबसे सफल गेंदबाज हैं।

हम हर मैच जीतना चाहते हैं, पाकिस्तान के खिलाफ एशिया कप मैच से पहले बोली हरमनप्रीत कौर

नई दिल्ली (एजेंसी)। कप्तान हरमनप्रीत कौर का मानना है कि भारतीय महिला टीम हर मैच को जीतने के इरादे से मैदान पर उतरती है और इस महीने के अंत में पाकिस्तान के खिलाफ एशिया कप के मैच के दौरान भी उसका यही लक्ष्य होगा। भारत ने हाल ही में घरेलू सरजमीं पर दक्षिण अफ्रीका को तीन मैचों की वनडे श्रृंखला और एकमात्र टेस्ट में हराने के बाद टी20 श्रृंखला को 1-1 की बराबरी पर खत्म किया। दक्षिण अफ्रीका पर मिली जीत से भारतीय टीम का हौसला बढ़ा हुआ है।

हरमनप्रीत ने कहा, 'अभी हमारा दृष्टिकोण कुछ ऐसा है कि हम सभी मैचों को समान महत्व दे रहे हैं। सभी हर मैच को जीतने की कोशिश करते हैं और हमें लगता है कि एक टीम में यही होना चाहिए। टीम में हर कोई यही महसूस कर रहा है।' भारतीय टीम अब 19 जुलाई से शुरू होने वाले एशिया कप में

चुनौती पेश करेगी। एशिया कप की मेजबानी श्रीलंका कर रहा है और भारतीय टीम दांबुला में चिर-परिचित पाकिस्तान के खिलाफ अपना अभियान शुरू करेगी।

हरमनप्रीत ने कहा कि कप्तान के तौर पर यह उनकी जिम्मेदारी है कि वह ऐसे मैचों के दौरान अपनी टीम पर दबाव हावी नहीं होने दे। उन्होंने कहा, 'जब आप पाकिस्तान के खिलाफ खेलते हैं तो दोनों देशों में एक अलग माहौल होता है। दोनों देश चाहते हैं कि उनकी टीम जीते।' भारतीय कप्तान ने कहा, ''एक खिलाड़ी के रूप में हमारे लिए बहुत दबाव है। लेकिन एक कप्तान के रूप में यह मेरी जिम्मेदारी है कि मैं अपनी टीम को उस माहौल में तनाव से दूर रखूं ताकि वे यह न सोचें कि हम पाकिस्तान के खिलाफ खेल रहे हैं या यह दबाव है।'

भारत और पाकिस्तान के बीच खेले जाने वाला कोई भी मुकाबला दबाव से भरा होता है लेकिन हरमनप्रीत ने कहा कि वह इसे किसी अन्य मैच की तरह ही लेती है। मध्यक्रम की बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्स ने कहा कि टीम महिला एशिया कप में अपनी संभावनाओं को लेकर उत्साहित है। दायें हाथ की इस बल्लेबाज ने कहा, 'टीम में उत्साह बहुत अधिक है। यह एक अच्छा एहसास है, लेकिन उससे भी अधिक यह जानना बहुत प्रेरणादायक है कि हर बार जब हम मैदान पर उतरते हैं, तो हम जानते हैं कि हमें टीम के हर खिलाड़ी का समर्थन प्राप्त है।' उन्होंने कहा, ''हम जानते हैं कि अगर हम अच्छी तैयारी करेंगे तो हम वहां जाएंगे और अच्छा प्रदर्शन करेंगे।'

रोड्स को कोच बनाना चाहते थे गंभीर, बीसीसीआई ने इंकार किया

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के नये मुख्य कोच बने गौतम गंभीर दक्षिण अफ्रीका के जोंटी रोड्स को टीम का नया फील्डिंग कोच बनाना चाहते थे हालांकि क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) इसके लिए तैयार नहीं है। एक रिपोर्ट के अनुसार गंभीर की इस मांग को बीसीसीआई ने इसलिए नहीं माना है क्योंकि वह किसी भारतीय को ही ये पद देना चाहता है। बीसीसीआई चाहता है कि का पूरा स्टाफ भारतीय हो और किसी भी विदेशी खिलाड़ी को इसमें शामिल नहीं किया जाए। गौरतलब है कि रोड्स विश्व के सबसे अच्छे फील्डर माने जाते हैं। साल 2022 और 2023 के आईपीएल में उन्होंने लखनऊ सुपरजायंट्स की ओर सहयोगी स्टाफ के रुप में काम किया है। इस दौरान वह गंभीर के साथ थे। रोड्स ने साल 1992 से 2003 तक दक्षिण अफ्रीका की तरफ से 52 टेस्ट और 245 वनडे मैच खेले हैं। उन्होंने टेस्ट में 35.66 और एकदिवसीय में 35.11 की बल्लेबाजी औसत से 8,000 से अधिक रन बनाए हैं। वह अपने शानदार क्षेत्ररक्षण के लिए जाने जाते हैं। वहीं बीसीसीआई की ओर से कहा गया है कि टी दिलीप फील्डिंग कोच की भूमिका में बने रहेंगे। इसका कारण है कि उनका पिछला कार्यकाल काफी अच्छा रहा है।

अपने चौथे ओलंपिक में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहते हैं मनप्रीत

बेंगलुरू। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के अनुभवी खिलाड़ी मनप्रीत सिंह इस बार अपना चौथा ओलंपिक खेलने जा रहे हैं। मनप्रीत के अनुसार उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि वह यहां तक पहुंचेंगे और चौथा ओलंपिक खेलेंगे क्योंकि सभी का सपना ओलंपिक खेलने का रहता है। साथ ही कहा कि हर खिलाड़ी का सपना होता है ओलंपिक खेलना और पदक जीतना। इसलिए मैं अपने को खुशकिस्मत समझता हूं जो मुझे इसमें खेलने का अवसर मिल रहा है। इस अनुभवी मिडफील्डर ने कहा, 'मैं यह सोचकर जा रहा हूं कि ये मेरा आखिरी ओलंपिक है और मुझे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना है। एशियाई खेल 2014 और 2022 में स्वर्ण पदक जीतने वाली टीम का हिस्सा रहे मनप्रीत ने भारत के लिये 370 मैचों में 27 गोल दागे हैं। वह टोक्यो ओलंपिक में भारतीय दल के ध्वजवाहक भी रहे थे। ओलंपियन परगट सिंह को अपना आदर्श मानने वाले मनप्रीत ने कहा कि तोक्यो से पेरिस तक टीम की तैयारियों में ज्यादा बदलाव नहीं आया है। साथ ही कहा कि हम अपने अनुभव पांचों नए खिलाड़ियों से बांट रहे हैं। किसी टीम को हलके में नहीं लेना है। उन्होंने कहा, 'हमारा पूल कठिन है और हम किसी भी टीम को हलके में नहीं ले सकते।

भारत ने जबरदस्त जुझारूपन दिखाकर टी20 विश्व कप जीता: लक्ष्मण

नई दिल्ली (एजेंसी)। महान बल्लेबाज वीवीएस लक्ष्मण ने हार की कगार पर पहुंचकर टी20 विश्व कप में खिताबी जीत दर्ज करने वाली भारतीय क्रिकेट टीम के जुझारूपन की तारीफ करते हुए कहा कि खिलाड़ियों और पूर्व मुख्य कोच राहुल द्रविड़ का जश्न मनाने का अंदाज साबित करता है कि इस जीत के उनके लिए क्या मायने थे। भारत ने दक्षिण अफ्रीका को 29 जून को बारबडोस में खेले गए फाइनल में सात रन से हराकर 11 साल में पहली बार आईसीसी खिताब जीता।

लक्ष्मण ने बीसीसीआई द्वारा एक्स पर डाले गए वीडियो में कहा, 'दक्षिण अफ्रीका को आखिरी पांच ओवर में 30 रन चाहिए थे। उसके बाद से जुझारूपन, दृढ़ता और आत्मविश्वास दिखाकर हार की कगार से जीत छीन लेना दिखाता है कि यह टीम कितनी मजबूत है।' उन्होंने कहा, 'सभी ने इतनी मेहनत की थी और जीत के बाद का जश्न इस सफलता के पीछे की बड़ी कहानी

कहता है।'

बेंगलुरू में राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी के प्रमुख लक्ष्मण ने कहा, 'विश्व कप जीतना खास है। जब आप सर्वश्रेष्ठ के खिलाफ खेलकर ट्रॉफी जीते तो उसके मायने और बढ़ जाते हैं।' उन्होंने कहा, 'सभी ने अपने जज्बात जाहिर किए और इससे पता चलता है कि हर एक खिलाड़ी और सहयोगी स्टाफ के लिए यह जीत क्या मायने रखती है। आपने हार्दिक पांड्या को आखिरी गेंद डालने के बाद रोते हुए देखा। रोहित शर्मा को मैदान पर देखा।'

लक्ष्मण ने कहा, 'पूरा देश जीत का जश्न मना रहा है। हम छह महीने पहले भी जीत के करीब पहुंचे थे लिहाजा यह जीत खास थी हमें वनडे विश्व कप जीतना चाहिए था क्योंकि पूरे टूर्नामेंट में सर्वश्रेष्ठ होने के बाद हम फाइनल में हार गए थे।' आम तौर पर सार्वजनिक तौर पर अपनी भावनाएं व्यक्त नहीं करने वाले द्रविड़ के खुलकर जश्न मनाने के बारे में उन्होंने कहा, 'मैने उसके साथ इतनी क्रिकेट खेली है और उसे इतने साल से जानता हूं और उसका इस तरह जश्न मनाना। जब आखिरी गेंद डाली गई या टीम के सदस्यों के साथ बातचीत में या ट्रॉफी थामते समय।'

उन्होंने कहा, 'रोहित और विराट कोहली ने उसे ट्रॉफी सौंपकर बहुत अच्छा किया और ट्रॉफी थामने के बाद उसने जिस तरह से जश्न मनाया, उससे साबित होता है कि इस जीत के सभी के लिए क्या मायने थे।' लक्ष्मण ने टी20 प्रारूप में योगदान के लिये विराट, रोहित और रविंद्र जडेजा की तारीफ की। तीनों ने इस प्रारूप को अलविदा कह दिया है। उन्होंने कहा, 'इस खेल के तीन दिग्गजों विराट, रोहित और जडेजा को इस महान खेल में उनके योगदान के लिए मैं बधाई देता हूं। उन्होंने जिस जुनून का प्रदर्शन किया, वह अप्रतिम है। मुझे उम्मीद है कि वह दूसरे प्रारूपों में देश का नाम रोशन करते रहेंगे।'

डोपिंग के कारण दो साल बाहर बैठना करियर का काला अध्याय : ओलंपिक हॉकी टीम में शामिल जरमनप्रीत

नई दिल्ली। पेरिस ओलंपिक के लिए चुनी गई 16 सदस्यीय भारतीय हॉकी टीम में जगह बनाने वाले जरमनप्रीत सिंह ने कहा कि 2016 में डोपिंग का दंश झेलना उनके करियर का सबसे निराशाजनक समय था। जरमनप्रीत पिछले कुछ वर्षों से भारतीय टीम के नियमित खिलाड़ी रहे हैं। वह डोपिंग के कारण 2016 से 2018 तक खेल से दूर रहे थे। ओलंपिक में पदार्पण को तैयार इस खिलाड़ी ने डोपिंग के कारण लगे प्रतिबंध को याद करते हुए कहा, 'यह मेरे लिए आसान नहीं था। यह कई अनिश्चितताओं के साथ मेरे सबसे बुरे समय में से एक था।' नीदरलैंड में 2018 में चैम्पियंस ट्रॉफी के दौरान राष्ट्रीय टीम के लिए पदार्पण करने वाले पंजाब के इस खिलाड़ी ने कहा, 'खिलाड़ी आम तौर पर इस तरह के झटके से उबर नहीं पाते हैं। दो साल तक मैचों से बाहर बैठने से आप काफी पीछे छूट जाते हैं।' आयकर विभाग में अधिकारी के पद पर तैनात इस खिलाड़ी ने कहा, 'मैं हालांकि अपनी वापसी को लेकर दृढ़ निश्चय था और मुझे पता था कि मुझे वापसी करनी होगी। मुझे नहीं लगता कि मैं मजबूत घरेलू ढांचे के बिना ऐसा कर सकता था, जहां मैं चयनकर्ताओं को दिखा सकता था कि मुझमें अभी भी वह क्षमता है।' इस 27 साल के खिलाड़ी ने भारत के लिए 98 मैच खेले हैं। उन्होंने हॉकी इंडिया की विज्ञप्ति में कहा, 'मैं ओलंपिक को लेकर काफी रोमांचित हूं और टीम के अभियान के शुरू होने का इंतजार कर रहा हूं।'

अफरीदी सहित पूर्व पाकिस्तानी क्रिकेटरों ने भारतीय टीम को चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भेजने की अपील की

लाहौर (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के अगले साल पाकिस्तान में होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में खेलने के लिए जाने की संभावना काफी कम है। इससे पाकिस्तान के क्रिकेट प्रशंसक बेहद निराश हैं। वहीं पाक के पूर्व ऑलराउंडर शाहिद अफरीदी सहित कई पूर्व क्रिकेटरों ने भारत सरकार से टीम को पाकिस्तान भेजने की अपील की है। अफरीदी का कहना है कि जिस प्रकार हमारा भारत में स्वागत हुआ है। उसी प्रकार भारतीय टीम का भी पाक में जबरदस्त स्वागत होगा। अफरीदी ने कहा, 'भारतीय टीम को पाकिस्तान आना चाहिए और मैं इसका स्वागत करता हूं। हम जब भी भारत गए, वहां हमें बहुत सम्मान और प्यार मिला। ठीक इसी तरह जब भी भारतीय टीम हमारे यहां आई तो उसे भी यहां उतना ही सम्मान और प्यार मिला। इसलिए मेरा मानना है कि क्रिकेट को राजनीति से अलग रखा जाना चाहिए।' अफरीदी ने कहा, 'विराट सहित भारतीय खिलाड़ी पाक में बेहद लोकप्रिय है। विराट जब पाक आएंगे तो उन्हें इतना प्यार मिलेगा कि वह भारत में मिले प्यार को भूल जाएंगे। पाक में विराट का बहुत क्रेज है और लोग उन्हें बहुत ज्यादा पसंद करते है। वह मेरा भी पसंदीदा क्रिकेटर है। उनकी अपनी क्लास है। साथ ही कहा कि उन्हें अभी टी20 क्रिकेट से संन्यास नहीं लेना चाहिए था क्योंकि उनके रहने से टी20 प्रारुप और बेहतर हो जाता है।' गौरतलब है कि भारतीय क्रिकेट टीम एशिया कप 2008 के बाद से ही पाक दौरे पर नहीं गई है। पिछले साल पाक में हुए एशिया कप में भी भारतीय टीम नहीं गयी थी और उसने अपने सभी मैच हाइब्रिड मॉडल के आधार पर श्रीलंका में खेले गए। ऐसे में इस बार भी भारतीय बोर्ड (बीसीसीआई) कुछ ऐसा ही चाहेगा। बोर्ड ने हालांकि आधिकारिक रुप से अभी इसपर कुछ नहीं कहा है।

गंभीर के भारतीय कोच बनने पर शाहिद अफरीदी ने दी प्रतिक्रिया, कहा- यह अच्छा है

बेंगलुरू (एजेंसी)। पूर्व पाकिस्तानी कप्तान शाहिद अफरीदी ने कहा कि यह देखना दिलचस्प होगा कि गौतम गंभीर भारतीय सीनियर राष्ट्रीय पुरुष टीम के कोच बनने के अवसर का किस तरह उपयोग करते हैं, उन्होंने अपनी नियुक्ति को लेकर सकारात्मक रुख अपनाया। अफरीदी ने इस बात पर प्रकाश डाला कि गंभीर अपने विचारों को लेकर स्पष्ट रहे हैं और यह उनके लिए अपनी नई भूमिका में अपनी छाप छोड़ने का अच्छा मौका है।

गौतम गंभीर को बुधवार 10 जुलाई को भारतीय क्रिकेट टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया गया। पूर्व सलामी बल्लेबाज ने राहुल द्रविड़ की जगह ली जिन्होंने पिछले महीने कैरिबियन में भारत की टी20 विश्व कप जीत के बाद शानदार तरीके से पद छोड़ा था। शाहिद अफरीदी ने ब्रिटेन में वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स टी20 टूर्नामेंट के दौरान कहा, 'यह एक नया अवसर है, यह अच्छा है। देखते हैं कि वह इस अवसर का अधिकतम लाभ कैसे उठाते हैं। मैंने उनके कई साक्षात्कार देखे हैं। वह अच्छी और सकारात्मक बातें करते हैं। वह बहुत स्पष्टवादी हैं।'

इस सप्ताह की शुरुआत में ही अफरीदी ने पाकिस्तान क्रिकेट टीम में स्थिरता की मांग की थी और क्रिकेट बोर्ड से कोचों और खिलाड़ियों को नेतृत्व के पदों पर लंबे समय तक मौका देने का आग्रह किया था। रोहित शर्मा और द्रविड़ के बीच बेहतरीन कामकाजी संबंध स्थापित करने और परिणाम देने के कारण भारत को नेतृत्व समूह के मामले में कोई समस्या नहीं हुई है।

गंभीर की नियुक्ति ने क्रिकेट जगत में काफी दिलचस्पी पैदा की है। किसी सीनियर टीम को कोचिंग देने का कोई पिछला अनुभव न होने के बावजूद भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज को भारत के लिए अच्छा प्रदर्शन करने के लिए बीसीसीआई का समर्थन प्राप्त है। गंभीर की सामरिक सूझबूझ और आईपीएल 2024 में कोलकाता नाइट राइडर्स और 2022 और 2023 में लखनऊ सुपर जायंट्स के मेंटर के रूप में उनके सफल कार्यकाल ने उनके पक्ष में काम किया है।

गंभीर भारतीय क्रिकेट टीम में बदलाव की अवधि की देखरेख करेंगे, उन्होंने साढ़े तीन साल का अनुबंध हासिल किया है। रोहित, विराट कोहली और रवींद्र जडेजा विश्व कप जीत के बाद टी20आई से संन्यास ले लिया और नए मुख्य कोच को उपयुक्त प्रतिस्थापन खोजने की आवश्यकता होगी। इस बीच गंभीर के पूर्व नाइट राइडर्स टीम के साथी जैक्स कैलिस ने कहा कि उन्हें इस बात में कोई संदेह नहीं है कि केकेआर के पूर्व कप्तान टीम इंडिया के मुख्य कोच के रूप में परिणाम देंगे। कैलिस ने गंभीर के आक्रामक रवैये पर प्रकाश डाला और कहा कि युवा खिलाड़ी विश्व कप विजेता से बहुत कुछ सीखेंगे।

कैलिस ने कहा, 'गौती को कोचिंग की

ओर बढ़ते देखना बहुत अच्छा है। उनके पास वास्तव में बहुत अच्छा क्रिकेट दिमाग है। वह कुछ जोश लाएंगे, उन्हें आक्रामक तरीके से खेलना पसंद है। मुझे लगता है कि वह ध्यान आकर्षित करेंगे। खिलाड़ी निश्चित रूप से उनसे बहुत कुछ सीखेंगे। वह उस भारतीय टीम में बहुत कुछ जोड़ने जा रहे हैं।'

वेकिच को हराकर पाओलिनी लगातार दूसरे ग्रैंडस्लैम फाइनल में

लंदन। जैस्मिन पाओलिनी ने बृहस्पतिवार को यहां गैर वरीय डोना वेकिच को तीन सेट तक चले कड़े मुकाबले में हराकर विंबलडन टेनिस टूर्नामेंट के महिला एकल फाइनल में जगह बनाई जो उनका लगातार दूसरा ग्रैंडस्लैम फाइनल होगा। पहला सेट गंवाने के बाद वापसी करते हुए पाओलिनी ने दो घंटे और 51 मिनट चले सेमीफाइनल में वेकिच को 2-6, 6-4, 7-6 (10-8) से हराकर बाहर का रास्ता दिखाया। सातवीं वरीय पाओलिनी ने पहला सेट गंवाने के बाद दूसरा सेट अपने नाम किया। वह तीसरे और निर्णायक सेट में 1-3 से पीछे थी लेकिन वापसी करते हुए जीत दर्ज करने में सफल रहीं। पाओलिनी ने अंतत- अपने तीसरे मैच प्वाइंट पर अंक जुटाकर जीत दर्ज की। वह पिछले महीने रोलां गैरो पर फ्रेंच ओपन के फाइनल में इगा स्वियातेक के खिलाफ हार गईं थी। इटली की 28 साल की पाओलिनी एक ही सत्र में फ्रेंच ओपन और विंबलडन के खिताब मुकाबले में जगह बनाने वाली 2015 और 2016 में सेरेना विलियम्स के बाद पहली महिला हैं। फाइनल में पाओलिनी की भिड़ंत एलेना रिबाकिना और बारबरा क्रेसिकोवा के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से शनिवार को होगी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

गुलाब के प्रमुख रोग एवं निदान

शीर्षरंभीक्षय (डाई बैक):

पहचान– यह रोग डिपलोडिया रोजेरम नामक रोगजनक फफूंद से उत्पन्न होता है, पौधे के कलम किए हुए भाग से सूखना प्रारंभ होता है एवं नीचे की ओर सूखता जाता है तथा धीरे–धीरे संपूर्ण पौधा सूखकर मर जाता है।

निदान

- कलम किये हुए भाग पर बोर्डो पेस्ट या चौबटिया पेस्ट लगाना चाहिए।
- कैराथेन, बाविस्टीन 0.1 प्रतिशत का छिड़काव करना चाहिए।

चूर्णी फफूंद (पाऊडरी मिल्डयू)

पहचान– यह एक फफूंद जनित रोग है। यह रोग स्फेरोथिका पेनोसा रोगजनक फफूंद से होता है,निचली या पुरानी पत्तियों पर सफेद धब्बे बनते हैं तथा रोग की अधिकता के कारण सफेद चूर्णी फफूंदी पौधे के संपूर्ण भाग में फैल जाता है, फूल एवं पत्तियों का आकार घट जाता है।

निदान

- रोग ग्रसित पौध अवशेषों को इकट्ठा कर नष्ट कर दें चाहिए।
- कैराथेन 0.1 प्रतिशत अथवा बाविस्टीन 0.1 प्रतिशत का छिड़काव करना चाहिए।

गेरूआ या रस्ट

रोग पहचान

यह रोग फ्रेशमीडियम मुक्रोनेटम नामक फफूंद से होता है, रोग ग्रसित पौधों की पत्तियों पर नारंगी रंग के स्फोट बनते हैं, जिसके अंदर बीजाणु भरे रहते हैं, रोग ग्रसित पौधों में फूल छोटे तथा फीकापन लिए होते हैं।

निदान

- रोग ग्रसित पौध अवशेषों को जलाकर नष्ट करें।
- मेन्कोजेब 0.25 प्रतिशत अथवा सल्फर 0.2 प्रतिशत का छिड़काव करें।

हरी - भरी ज्वार

भूमि का चयन

ज्वार की खेती अच्छे जल निकास वाली सभी भूमि में की जा सकती है।

भूमि की तैयारी

गर्मी की फसल के कटाई के बाद गहरी जुताई करें। वर्षा होने पर हैरो द्वारा 1–2 जुताई करें पाटा लगाकर खेत को भुरभुरा कर लें।

बोनी का समय

मध्य जून से जुलाई प्रथम सप्ताह तक बोनी करें।

बोवाई

ज्वार को नम मिट्टी में सदैव कम गहराई में बोयें।

उर्वरक की मात्रा

ज्वार की देशी किस्में संकर किस्मों की अपेक्षा कम पोषक तत्व ग्रहण करती है। अतः उर्वरक की मात्रा भिन्न–भिन्न होती है।

फास्फोरस एवं पोटाश की पूरी मात्रा आधार रुप में बोते समय कूंडों में देते हैं। तथा नत्रजन को 1/3 भाग आधार रुप में बोते समय, 1/3 भाग 20 दिनों बाद तथा 1/3 भाग 40 दिन बाद दें।

रिक्त स्थानों को भरना एवं विरला करना– बीज का अंकुरण 5–6 दिन में न हुआ होने पर नया बीज बोयें। बोने से 20 दिन के अंदर घने पौधों को विरला, करके 45×15 सेमी दूरी रखें।

सिंचाई एवं जल निकासी

समय पर वर्षा नहीं होती है तो पलेवा लगाकर जून के अंतिम सप्ताह तक फसल में फूल आने पर यदि सूखा हो तो सिंचाई अवश्य करें। उचित जल निकास करें।

उन्नतशील किस्में

जवाहर ज्वार– 938, जवाहर ज्वार– 1041, जेकेएसके–22, विदिशा 60–1, सीएसएच–18, सीएसएच–59

चारे के लिये

पंत चरी–5, जवाहर चरी

खरपतवार नियंत्रण

अंकुरण पूर्व एंट्राजीन 0.5–0.6 किग्रा/ हे. 500 ली पानी में घोलकर बोवाई के दूसरे दिन (अंकुरण के पूर्व) छिड़काव करें।

अंतरवर्तीय एवं मिश्रित फसल

ज्वार+सोयाबीन (2:4), ज्वार+तिल, ज्वार+उड़द/ मूंग (2:4), ज्वार+अरहर (4:2)

पौध संरक्षण

कीट– तनाभेदक – इसकी रोकथाम के लिए फ्यूरॉडान 3 प्रतिशत 5 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर अंकुरण के 10–15 दिन बाद पौधों की गोफ में डालें।

पत्ती लपेटक – इसकी रोकथाम के लिये क्विनालफॉस 2 से 3 मिली प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।

कटाई एवं गहाई

चारे के लिये फसल की कटाई (बोवाई के 60–70 दिन बाद) करें।

औसत उपज

देशी किस्मों 15–20 क्विं/हे.
संकर व संकुल जातियों 40–50 क्वि./हे.
कड़वी की उपज 60–80 क्विं./हे.

पपीते को रोगों से बचाएं

- 50–60 से.मी. ऊंचाई तक पौधे के तने में बोर्डो पेस्ट को लगायें।

लीफ कर्ल

पहचान: यह एक विषाणु जनित रोग है, जिसमें पौधा किसी भी अवस्था में प्रभावित हो सकता है। पौधों की पत्तियाँ छोटी एवं मुड़े हुए निकलते हैं। पत्तियां विकृत होने लगती हैं और मोटी हो जाती हैं। फूल कम आते हैं, फल छोटे रह जाते हैं।

निदान

- इस रोग के विषाणु कीड़ों से फैलते हैं।
- रोग प्रभावित पौधों को उखाड़ कर नष्ट कर दें।
- मेटासिस्टॉक्स (0.1व) कीटनाशक का प्रयोग करें।
- रोगरोधी पौधों का चुनाव करना चाहिए।

मोजेक

पहचान : यह विषाणु जनित रोग है, जिसमें पत्तियां पीली, सिकुड़ी हुई एवं विकृत हो जाती हैं,पत्तियों, तनों तथा फलों पर पीले धब्बे बन जाते हैं। पत्तियों की मूल एवं सहायक नाड़ियाँ उभरी हुई एवं पीली दिखाई देती हैं।

निदान

- रोग ग्रसित पौधों को उखाड़कर नष्ट कर दें।
- रोग रोधी किस्म लगायें।

तना या पद गलन (स्टेम या फ्रूट रॉट)

पहचान : यह रोग पीथियम अफेनीर्डमेटम नामक फफूंद से होता है, इसमें भूमि के सतह के पास तने में जलीय दाग के धब्बे बनते हैं, एवं बाद में बढ़कर पूरे तने में चारों ओर फैल जाते हैं। पत्तियां पीली होकर मुरझा जाती हैं। तने के उतक, सूखकर मधुमक्खी के छत्ते के समान दिखाई देता है, तना गलने लगता है एवं जड़–सड़ जाती है।

निदान

- रोग ग्रसित पौधों को जड़ सहित उखाड़कर नष्ट कर दें।
- 10 ली. प्रति वर्ग मी. की नर्सरी को बोर्डोमिश्रण से उपचारित करें।

आईएसआईएस के पूर्व चीफ अबु बकर की पत्नी को फांसी की सजा

तेहरान । इराकी अदालत ने आईएसआईएस के पूर्व चीफ अबु बकर अल-बगदादी की पत्नी अस्मा मोहम्मद को फांसी की सजा सुनाई है। रिपोर्ट के मुताबिक अस्मा मोहम्मद को यजीदी महिलाओं की किडनैपिंग में बगदादी का साथ देने के आरोप में दोषी पाया है। अबू बकर अल-बगदादी 2014 से आईएसआईएस का प्रमुख था। अमेरिका ने 27 अक्टूबर 2019 को स्पेशल ऑपरेशन के द्वारा सीरिया में घुस कर अबू बकर को मार डाला था। इराक की सुप्रीम ज्यूडिशियल काउंसिल ने बताया कि अस्मा को आतंकवाद विरोधी कानून के तहत हिरासत में रखा गया है। अस्मा ने यजीदी महिलाओं को अपने घर में छुपाया और बाद में उन्हें आईएसआईएस को दे दिया था। 2014 में आईएसआईएस ने महिलाओं को जबरन वेश्यावृत्ति में धकेल दिया था। अल बगदादी ने 2014 में इस्लामिक स्टेट की बुनियादी रखी थी। इसके बाद उन्होंने सीरिया और इराक के एक बड़े इलाके पर कब्जा कर लिया था।

सऊदी एयरलाइंस की फ्लाइट में आग....10 लोग जख्मी

पेशावर । सऊदी एयरलाइंस की फ्लाइट में पाकिस्तान के पेशावर एयरपोर्ट पर आग लग गई। इसमें 10 लोग जख्मी हुए। हादसा तब हुआ जब विमान लैंड हो रहा था। यात्रियों और केबिन क्रू के सभी सदस्यों को इमरजेंसी गेट से जल्द बाहर निकाला गया। फ्लाइट रियाद से पेशावर आई थी। रिपोर्ट के मुताबिक लैंडिंग गियर में कुछ खराबी के कारण ये हादसा हुआ। हालांकि अब तक कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। सऊदी एयरलाइंस 792 में 276 यात्री सवार थे। इसके अलावा 21 क्रू मेंबर थे। एयर ट्रैफिक कंट्रोलर के मुताबिक, लैंड होने के बाद विमान से धुआं निकलता दिखाई दिया। इसके फौरन बाद पायलट को इसकी जानकारी दी गई। इसके साथ ही फायर एंड रेस्क्यू सर्विस को भी जानकारी दी गई। आग लगने की सूचना मिलने के बाद दमकल विभाग की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। आनन-फानन में इस आग को बुझाया गया। विमान से सभी यात्रियों और क्रू को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया।

साइबर खतरों से निपटने, एक केंद्र स्थापित करेगा नाटो

वाशिंगटन । नाटो ने आधिकारिक बयान में बताया कि सदस्य देश बेल्जियम में साइबर खतरों से निपटने के लिए एक केंद्र स्थापित करने पर सहमत हुए हैं। आधिकारिक बयान में कहा गया, नाटो सहयोगी अधिक परिष्कृत साइबर खतरों से बचने के लिए एक नया केंद्र स्थापित करने पर सहमत हुए। यह केंद्र नाटो सैन्य कमांडरों को साइबर स्पेस में संभावित खतरों और कमजोरियों के बारे में सूचित करेगा, जिसमें सैन्य गतिविधियों का समर्थन करने के लिए आवश्यक निजी स्वामित्व वाले नागरिक महत्वपूर्ण अवसंरचना शामिल हैं। यह केंद्र नाटो उद्यम, सहयोगी देशों से नागरिक और सैन्य कर्मियों और उद्योग के विशेषज्ञों को एक साथ लाएगा। बयान में कहा गया कि केंद्र बेल्जियम में नाटो के रणनीतिक सैन्य मुख्यालय पर आधारित होगा। केंद्र की संरचना और कार्यों पर विवरण आने वाले महीनों में विकसित किया जाएगा।

नाटो की महत्वपूर्ण बैठक में 20 मिनट की देरी से पहुंचे बाइडेन

जेनेवा । अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन नाटो बैठक के लिए देर से पहुंचे। वहीं जियोर्जिया मेलोनी को अपनी आँखें घुमाते हुए कैमरे में कैद हुई। बाइडेन और नाटो के महासचिव जेन्स स्टोलटेनबर्ग देर से पहुंचे। जिससे इतालवी और फिनिश राष्ट्रपति अलेक्जेंडर स्टब काफी निराश दिखाई दिए। इसके बाद से यह वीडियो वायरल हो गया है, जिससे व्हाइट हाउस की लेटलतीफी की आलोचना हो रही है। नए वीडियो में मेलोनी पूरी तरह से हताश दिखाई दे रही थी, अपनी आँखें घुमा रही थी और नाटकीय रूप से अपने चेहरे से एक्सप्रेशन दे रहीं थी। बताया जाता हैं कि कार्यक्रम शुरू होने के ठीक 20 मिनट बाद बाइडेन वहां पहुंचे। इतालवी नेता और फ़िनिश राष्ट्रपति के बीच बातचीत में एक और व्यक्ति शामिल हुआ जिसने समय देखने के लिए अपना फोन निकाला। उस क्षण, उसने अपनी आँखें घुमाईं और फिर से भौंहें सिकोड़ लीं, तभी उसने देखा कि कैमरे उस पर केंद्रित थे। हालाँकि वीडियो किसी भी श्रव्य बातचीत को पकड़ने के लिए बहुत दूर था, लेकिन यह स्पष्ट था कि तीनों स्पष्ट रूप से परेशान दिखाई दे रहे थे। सोशल मीडिया पर ऐसी अफवाहें थीं कि मेलोनी इसके खिलाफ निर्णय लेने से पहले बाइडेन की नकल कर रही थीं।

तालिबान से निपटने चीन ने इस देश में बनाया खुफिया मिलिट्री बेस

बीजिंग। तालिबान की घटिया हरकतों से परेशान चीन ने ताजिकिस्तान में सीक्रेट मिलिट्री बेस तैयार किया है। यह खुलासा सैटेलाइट तस्वीरों से हुआ है। असल में चीन ने ताजिकिस्तान में काफी निवेश किया है। चीन ने ताजिकिस्तान में जो निवेश किया है, उस निवेश को अफगानिस्तानी तालिबान से खतरा है। इसकारण चीन वहां अपना मिलिट्री बेस बना रहा है। इसके बारे में किसी को कुछ पता नहीं था। लेकिन अब सैटेलाइट तस्वीर आने के बाद खुलासा हो चुका है। चीन ने सीक्रेट मिलिट्री फैसिलिटी को 13 हजार फीट ऊंचे पहाड़ पर बनाया है। यहां चीन और ताजिकिस्तान दोनों देशों की सेनाओं का मिश्रण है। वॉच टावर्स हैं। दोनों देश लगातार संयुक्त मिलिट्री ड्रिल भी कर रहे हैं। दोनों ही देशों ने मिलिट्री बेस का कोई आधिकारिक जिक्र नहीं किया है। लेकिन यह पुराना सोवियत आउटपोस्ट था, इस फिर से तैयार किया जा रहा है। धीरे-धीरे निर्माण होता जा रहा है। 4 जुलाई 2024 को चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने ताजिकिस्तान का तीसरा दौरा किया था। जिसके बाद से लगातार इन दोनों देशों के अधिकारियों और नेताओं के बीच बैठकें हुई हैं। जानकार ने कहा कि ताजिकिस्तान में एक वैक्यूम था, जिसे चीन ने भर दिया है। इतना ही नहीं, ताजिकिस्तान में कई मस्जिद बंद कर दिए गए हैं। पुलिस लंबी दाढ़ी वाले लोगों को पकड़ कर उन्हें जबरदस्ती कटवाने को कह रही है।

पति ने पीटा और लगाया इल्जाम फिर भी पत्नी को मिली सजा

-महिला ने की शराब पीकर खुदकुशी करने की कोशिश, कोर्ट ने भेजा जेल

दुबई । सउदी अरब के दुबई में एक ऐसी घटना सामने आई है, जिसमें एक महिला को जेल भेज दिया गया वजह भी वह खुदकुशी करना चाहती थी। बताया जा रहा है कि वह खुदकुशी इसलिए करना चाहती थी कि वह अपने पति की हरकत से दुखी थी। उसके पति ने शराब पीकर उसे पीटा था। अब बात है कि आरोपी पति है तो फिर सजा महिला को क्यों मिली। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक आयरलैंड की 28 वर्षीय टोरी टोवी एमिराट्स एयरलाइन में एयर होस्टेस थीं और 2023 में वह दुबई में ही रहने लगी थीं। उसने साउथ अफ्रीका के एक शख्स से शादी की थी, जिसके साथ वह दुबई में रहने लगी थीं। बीते दिनों पति-पत्नी के बीच किसी बात पर झगड़ा हो गया। शराब के नशे में पति ने उसके ऊपर आरोप लगाया कि उसकी पत्नी का किसी और पुरुष से अफेयर है। बस इसके बाद पति ने टोरी के साथ मारपीट की। इस बात से नाराज टोरी ने पहले खूब शराब पी और फिर खुदकुशी करने चली गईं लेकिन वह खुदकुशी नहीं कर पाईं और जब उसकी आंखें खुलीं तो वह अस्पताल में थी क्योंकि यूएई में खुदकुशी करना और शराब पीना गैर कानूनी है। इसके चलते ही टोरी को जेल की सजा सुनाई गई है। अब टोरी की मां कैरोलाइन बेटी को आयरलैंड लाने की पूरी कोशिश कर रही हैं। उन्होंने सरकारों से मदद भी मांगी है, पर समस्या ये है कि टोरी के ऊपर यात्रा करने पर भी बैन लगा है। अब टोरी देश छोड़कर बाहर नहीं जा सकतीं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ह्यूमन राइट्स एडवोकेट ने बताया कि टोरी पर लगे सारे इल्जाम हटा लिए गए हैं। आयरलैंड की एंबेसी उन्हें अब एयरपोर्ट ले जाएगी और उन्हें आयरलैंड भेजने का सारा इंतजाम करेगी। टोरी पर लगे ट्रैवल बैन हटने की सूचना आयरलैंड के प्रधानमंत्री ने दी थी। आपको बता दें कि टोरी के ऊपर 28 जून को खुदकुशी करने की कोशिश का आरोप लगा था, जिसके बाद उन्हें गिरफ्तार कर भजे भेज दिया गया था।

अल्बेनिया मे प्रधानमंत्री इदी रामा के कार्यालय के बाहर विरोधी पार्टी के समर्थक नारेबाजी करते हुए।

बाइडन की फिसली जुबान, कमला हैरिस की कर दी तारीफ

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने बीते दिन अपनी डिप्टी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस की खूब तारीफ की। बाइडन ने कहा कि कमला हैरिस देश का नेतृत्व करने के लिए योग्य हैं।दरअसल, एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बाइडन ने कहा, शुरू से ही मैंने इस बारे में कोई संदेह नहीं किया कि कमला हैरिस राष्ट्रपति बनने के योग्य हैं और इसलिए ही मैंने उन्हें चुना।जब बाइडन से इसके कारणों के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा कि सबसे पहले, जिस तरह से हैरिस ने महिलाओं की स्वतंत्रता के मुद्दे को संभाला है, इसपर नियंत्रण रखा और दूसरा बोर्ड में लगभग किसी भी मुद्दे को संभालने की उनकी क्षमता बेहतरीन है।बाइडन ने आगे कहा कि हैरिस वास्तव में काफी अच्छा काम करती हैं। मैं उन्हें तब तक नहीं चुनता जब तक मुझे नहीं लगता कि वह राष्ट्रपति बनने के योग्य हैं। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान राष्ट्रपति ने गलती से कमला हैरिस को डोनाल्ड ट्रंप कह दिया। उन्होंने कहा, मैं ट्रंप को उपराष्ट्रपति के रूप में नहीं चुनता, क्या मुझे लगता है कि वह राष्ट्रपति बनने के योग्य नहीं हैं। इसके बाद बाइडन ने गलती सुधारते हुए कहा कि सच तो यह है कि मुझे लगता है कि मैं राष्ट्रपति पद के लिए सबसे योग्य व्यक्ति हूं। मैंने ट्रंप को एक बार हराया था और मैं उन्हें फिर से हराऊंगा।

नेपाल में फिर एक बार चीन के यार ओली सरकार, क्या पड़ोसी भारत से दूर हो जाएगा फिर एक बार

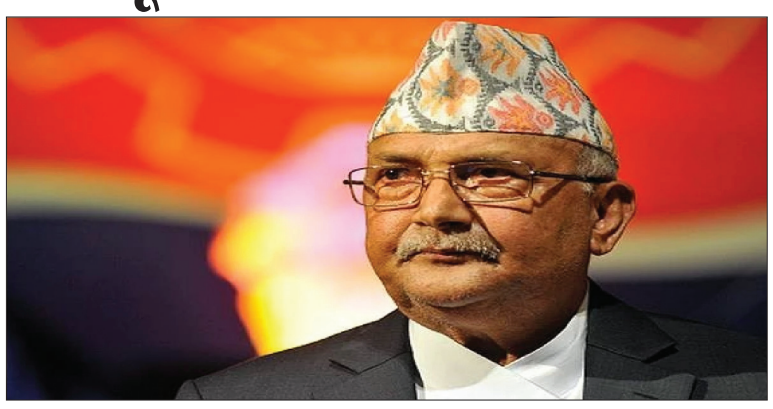

काठमांडू (एजेंसी)। नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल 'प्रचंड' शुक्रवार को संसद में अपना नवीनतम विश्वास मत हार गए, एक अपेक्षित परिणाम जो उन्हें सत्ता से हटने के लिए मजबूर करेगा और उनके कम्युनिस्ट प्रतिद्वंद्वी केपी शर्मा ओली के लिए सत्ता में लौटने का मार्ग प्रशस्त करेगा। अगले प्रधानमंत्री. कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल-यूनिफाइड मार्क्सवादी लेनिनवादी (सीपीएन-यूएमएल) द्वारा उनकी सरकार से अपना समर्थन वापस लेने और नेपाली कांग्रेस के साथ देर रात गठबंधन समझौता करने के बाद प्रचंड ने पांचवें विश्वास मत का आह्वान किया।

सभी घटनाक्रम इस ओर इशारा कर रहे हैं कि प्रचंड शुक्रवार का विश्वास मत हार रहे हैं क्योंकि उन्हें 275 सदस्यीय प्रतिनिधि सभा में सिर्फ 63 वोट मिले, जबकि विश्वास मत हासिल करने के लिए उन्हें 138 वोटों की जरूरत थी। संसद में दहल के विश्वास प्रस्ताव के ख़िलाफ़ 194 वोट पड़े। हल के सीपीएन-माओवादी सेंटर के संसद में केवल 32 सदस्य हैं। नेपाली कांग्रेस के पास 89 सीटें हैं, जबकि सीपीएन-यूएमएल के पास 78 सीटें हैं। उनकी संयुक्त संख्या 167 निचले सदन में बहुमत के लिए आवश्यक 138 से कहीं अधिक है। एनसी अध्यक्ष शेर बहादुर देउबा पहले ही नेपाल के अगले प्रधान मंत्री के रूप में ओली का समर्थन कर चुके हैं।

संसद में प्रमुख दलों - नेपाली कांग्रेस, सीपीएन-यूएमएल और जनता समाजवादी पार्टी ने अपने सांसदों को आज पेश होने वाले विश्वास प्रस्ताव के खिलाफ खड़े होने के लिए व्हिप जारी किया है। ओली के नेतृत्व वाली सीपीएन-यूएमएल ने नेपाली कांग्रेस के साथ सत्ता-साझाकरण समझौते पर हस्ताक्षर करने के बाद पिछले हफ्ते प्रचंड के नेतृत्व वाली सरकार से समर्थन वापस ले लिया।

प्रचंड 1996 से 2006 तक हिंसक माओवादी कम्युनिस्ट विद्रोह का नेतृत्व किया, जिसके परिणामस्वरूप 17,000 से अधिक लोग मारे गए। माओवादियों ने अपना सशस्त्र विद्रोह छोड़ दिया, 2006 में संयुक्त राष्ट्र समर्थित शांति प्रक्रिया में शामिल हो गए और मुख्यधारा की राजनीति में प्रवेश कर गए। वह 2008 में प्रधान मंत्री बने लेकिन राष्ट्रपति के साथ मतभेदों के कारण एक साल बाद उन्होंने पद छोड़ दिया। 9 वर्षीय नेता दिसंबर 2022 में अनिर्णायक चुनाव के बाद प्रधान मंत्री बनने के बाद से एक अस्थिर सत्तारूढ़ गठबंधन का नेतृत्व कर रहे थे, जहां उनकी पार्टी तीसरे स्थान पर रही, लेकिन वह एक नया गठबंधन बनाने में कामयाब रहे और प्रधान मंत्री बन गए। अपनी गठबंधन शक्तियों के भीतर असहमति के कारण उन्हें संसद में चार बार विश्वास मत हासिल करना पड़ा। यह संसद में दहल का पांचवां विश्वास मत था।

रुस के साथ भारत की यारी...यूक्रेन के मामले में समर्थन नहीं किया

जेनेवा (एजेंसी)। भारत ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में उस प्रस्ताव का समर्थन करने से इंकार कर दिया है जिसमें रूस से यूक्रेन के खिलाफ अपने आक्रमण को तुरंत समाप्त करने और ज़ापोरिज्जिया परमाणु ऊर्जा संयंत्र से अपने बलों और अन्य अनधिकृत कर्मियों को तत्काल वापस बुलाने का आग्रह किया गया था।

193 सदस्यीय संयुक्त राष्ट्र महासभा ने प्रस्ताव को 99 मतों के साथ पारित किया, जिसके पक्ष में नौ मत पड़े और 60 मतों ने मतदान में भाग नहीं लिया, जिसमें भारत, बांग्लादेश, भूटान, चीन, मिस्र, नेपाल, पाकिस्तान, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका और श्रीलंका शामिल थे। प्रस्ताव के खिलाफ मतदान करने वालों में बेलारूस, क्यूबा, उत्तर कोरिया, रूस और सीरिया शामिल थे।

रूस से यूक्रेन में अपने आक्रमण को समाप्त करने का आह्वान करने वाला प्रस्ताव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात के कुछ दिनों बाद आया।

ज़ापोरिज्जिया परमाणु ऊर्जा संयंत्र सहित यूक्रेन की परमाणु सुविधाओं की सुरक्षा और संरक्षा शीर्षक वाले संयुक्त राष्ट्र के प्रस्ताव में मांग की गई है कि रूस तुरंत यूक्रेन के खिलाफ अपनी आक्रामकता बंद करे और बिना शर्त यूक्रेन के क्षेत्र से अपनी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सीमाओं के भीतर अपनी सभी सैन्य ताकतों को वापस बुलाए।

कंपनी ने जबरन इस्तीफा लेने कर्मचारी को चार दिन अंधेरे कमरे में रखा बंद

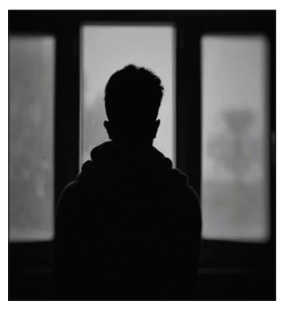

बीजिंग (एजेंसी)। क्या किसी से जबरन इस्तीफा लेने के लिए उसे प्रताड़िता किया जाना सही है। जो कर्मचारी कंपनी की ईमानदारी से सेवा करता रहा आखिर कोई कंपनी उसके साथ बुरा बर्ताव कैसे कर सकती है और किन वजहों से? ये सवाल तब चर्चा का विषय बन गया है। एक चीन की एक कंपनी के कर्मचारी को चार दिन तक एक छोटे से अंधेरे कमरे में बंद रखा गया और इसकी वजह केवल इतनी थी कि कंपनी चाहती थी कि कर्मचारी इस्तीफा दे दे। खास बात यह है कि मामले का खुलासा कर्मचारी ने नहीं बल्कि खुद कंपनी ने किया है।

इस विवाद में गुआंगज़ौ डुओई नेटवर्क लिमिटेड नाम की कंपनी ने अपने एक कर्मचारी को इस्तीफा देने के लिए चार दिनों तक एक छोटे अंधेरे कमरे में बंद रख कर प्रताड़ित किया। मामला तब सामने आया जब कंपनी ने एक अदालत के फैसले को चुनौती दी। फर्म ने अपने आधिकारिक वीबो अकाउंट पर पूरे कोर्ट के दस्तावेज प्रकाशित किए, जो दक्षिण-पश्चिमी चीन के सिचुआन प्रांत में एक स्थानीय अदालत द्वारा मई में दिए गए फैसले से खुले तौर पर असहमत थे।

अदालत ने फैसला सुनाया कि सिचुआन में गुआंगज़ौ डुओई नेटवर्क की सहायक कंपनी को कर्मचारी लियू लिंझू को उनके कार्यों के लिए मुआवजे के रूप में 380,000 युआन यानी 43 लाख 60 हजार रुपयों का भुगतान किया जाए। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक यह मामता तब सामने आया जब लियू ने पाया कि वह कंपनी के कंप्यूटर सिस्टम में लॉग इन नहीं कर सकते या अपने प्रवेश पास का उपयोग नहीं कर सकते। यह उनके इस्तीफे पर लंबी बातचीत के बाद हुआ।

कंपनी ने लियू से कहा कि उन्हें ट्रेनिंग में भाग लेना जरूरी है और उसे एक अलग मंजिल के कमरे में ले जाया गया जहां अंधेरा था और बिजली तक नहीं थी। चार दिनों में लियू को काम के बाद घर जाने सहित कमरे से बाहर जाने की अनुमति दी गई थी, उसे कोई काम नहीं दिया गया और उसका मोबाइल फोन भी जब्त कर लिया गया था।

खुद की बेइज्जती करवाने मर्द आते है इस महिला के पास

-बेइज्जती के बदले में झोला भर-भर देते हैं नोट

लॉस एंजेलस (एजेंसी)। अमेरिकी महिला मार्ली लोगों को बेइज्जत करने का काम करती है और इसके बदले में बेइज्जती करवाने वाला शख्स उसे झोला भर-भर के नोट भी देते हैं। मार्ली बेइज्जत करने के लिए खुद किसी को नहीं ढूंढती हैं, बल्कि लोग उनके पास खुद आते हैं। वो चाहते हैं कि मार्ली उनके साथ दुर्व्यवहार करें, बदले में वो लोग मार्ली को न सिर्फ गिफ्ट देते हैं, बल्कि झोला भर-भरकर नोट भी देते हैं।

झ30 साल की मार्ली ने बताया कि मर्द खुद को अपमानित करवाने के लिए मेरे पास आते हैं। वे चाहते हैं कि मैं उनको कंट्रोल करुं, बदले में वो मुझे पैसे देते हैं। मार्ली ने कहा कि मैंने 6 साल पहले ग्रेजुएशन के ठीक बाद यह काम शुरू किया था। शुरुआत में मैंने एक कॉर्पोरेट नौकरी की, लेकिन मुझे तुरंत समझ आ गया कि मैं नौकरी से मैं कुछ खास पैसा नहीं कमा पा रही हूं। मुझे लाइफ को लेकर चिंता होने लगी। ऐसे में मार्ली ने गूगल पर 'महिलाओं के लिए पैसा कमाने का ऑनलाइन तरीका' सर्च किया। कुछ अजीब सजेशन आए, जो मेरे लिए नहीं थे। मार्ली लगातार गूगल सर्च कर रही थीं। आखिरकार, वह इंटरनेट पर ऐसी महिलाओं से मिलीं, जो पुरुषों से पैसे भेजने और उनके बैंक खातों को कंट्रोल करके अपनी आजीविका चलाती थीं।

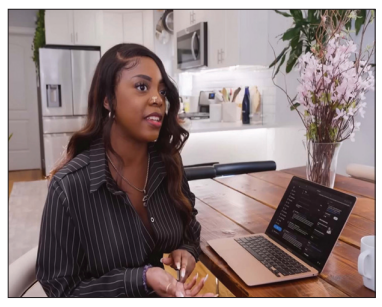

लोग अपने ही पैसे को खर्च करने के लिए इन महिलाओं से पूछते थे। ऐसे में मार्ली ने भी ऐसा करना शुरू कर दिया। मार्ली को पहला चेक तब मिला, जब उन्होंने अपने एक क्लाइंट से 50 डॉलर (4174 रुपए) के लंच बिल का भुगतान करने का रिक्वेस्ट किया। वो पैसा सीधे चेक से मार्ली के खाते में आ गया। एक बार एक क्लाइंट ने खुद को अनब्लॉक करने के लिए मार्ली को 1 हजार डॉलर (83 हजार रुपए) भेज दिए, फिर दो घंटे के अंदर ही 2 लाख 8 हजार रुपए और दे दिए। इस क्लाइंट को मार्ली ने ब्लॉक कर रखा था। इसके बाद उनका यह धंधा चल निकला। लोग मार्ली के घर तक खुद को अपमानित करवाने के लिए आने लगे। बदले में वो खूब पैसा भी लुटाते थे। इनमें से किसी शख्स के पीठ पर मार्ली अपना पैर रखती हैं, तो कोई घर में नौकर की तरह खटता है। वहीं, कोई अपमानित होने के लिए देर से आता है तो उसका एक्स्ट्रा चार्ज भी जोड़ती हैं। इंटरव्यू के दौरान ही बीटा नाम का एक क्लाइंट घर की साफ-सफाई करने के लिए आ गया। पूछने पर उसने बताया कि मार्ली मुझे काम देती है, जिसे करने में मुझे मजा आता है। मैं उसके साथ सुरक्षित महसूस करता हूं, अगर कुछ भी गलत होता है, तो वह हमेशा मेरी रक्षा करने के लिए मौजूद रहती है।

उसने आगे कहा, ÷कभी-कभी मुझे लगता है कि यही मेरे जीवन का उद्देश्य है। मुझे महिलाओं की सेवा करनी चाहिए और खास तौर पर मालकिन मार्ली की।÷ बीटा नौकर की तरह मार्ली के घर में खट रहा था। इस बारे में मार्ली से पूछा गया कि बीटा जो आपका पर्सनल काम कर रहा है, उसके बदले में आप उसे क्या देती हैं। इस पर मार्ली ने कहा कि पुरस्कार के तौर पर उसे मेरी मौजूदगी का मौका मिलता है। मार्ली ने कहा कि मेरे 95 प्रतिशत क्लाइंट गोरे लोग हैं। एक बार मार्ली ने किसी गोरे शख्स को पट्टा बांध दिया था और जानवरों की तरह घुमाया भी। वो वीडियो वायरल हुआ तो मार्ली की खूब आलोचना भी हुई।

सेना में भर्ती न होना पड़े इसके लिए डॉक्टरों से हाथ पैर तुड़वा रहे यूक्रेन के युवा

कीव (एजेंसी)। सामान्यता लोग टूटे हाथ पैर जुड़वाने के लिए डॉक्टर के पास जाते हैं लेकिन यूक्रेन के युवा अपने अच्छे भले हाथ पैर तुड़वाने के लिए अस्पताल में भर्ती हो रहे हैं और अपने हाथ पैर तुड़वा रहे हैं। इसके लिए सोशल मीडया पर विज्ञापनों की होड़ लगी हुई है। जिसमें कहा जा रहा है कि कुशल चिकित्सकों की देखरेख अपने हाथ पैर में बगैर किसी दर्द के फैक्चर कराएं। दरअसल,रुस और यूक्रेन के बीच लंबे समय से जंग चल रही है। इसमें बड़ी संख्या में यूक्रेनी सैनिकों मौत हुई तो सैकड़ों घायल हुए हैं। ऐसे में यूक्रेन में सैनकों का टोटा पड़ गया है। इस कमी को पूरा करने के लिए यूक्रेन ने कई नियमों को शिथिल किया है। इसके बाद भी यहां के युवा सेना में भर्ती होना नहीं चाहते। लेकिन सरकारी दवाव ने उन्हे चिंता में डाल दिया है। सेना में भर्ती न होना पड़े इसके लिए यहां के युवा डॉक्टरों से अपने हाथ पैर तुड़वा रहे हैं,ताकि एक सेना में भर्ती न होने का एक पुख्ता कारण उनके पास रहे।

टेलिग्राम पर कई विज्ञापन भी दिखाई दे रहे हैं जिसमें कहा जा रहा है कि डॉक्टरों की निगरानी में फ्रैक्चर किया जाएगा। विज्ञापनों में दावा किया जा रहा है कि सेना में जाने से बचने के लिए अच्छे मेडिकल प्रोफेशनल हाई क्वालिटी एनस्थीसिया देकर फ्रैक्चर किया जाएगा। आरटी की रिपोर्ट के मुताबिक इसमें यह भी कहा गया है कि इंजुरी के बाद भी पूरी देखभाल की जाएगी और अगर एक फ्रैक्चर पर्याप्त नहीं होगा तो डिस्काउंट रेट पर दूसरी चोट का भी इंतजाम किया जाएगा। इस तरह के ऐड डनेपर शहर के कई टेलिग्राम चैनलों पर दिखाई दिए थे। हालांकि बाद में इन्हें हटा भी लिया गया।

यूक्रेन में सेना में भर्ती को लेकर नए कानून बनाए गए हैं। रूस से जंग के बीच यूक्रेन सैनिकों की कमी से जूझ रहा है। ऐसे में सेना में सेवा देने की आयु को 27 साल से घटाकर 25 साल कर दिया गया है। वहीं सेना में सेवा देने से बचने के लिए हथकंडे अपनाने वालों की सजा भी बढ़ा दी गई है। अप्रैल महीने में सेना में भर्ती को लेकर यूक्रेन ने नए कानून बनाए थे। इसके तहत सेना में सेवा देने वालों को बोनस, कैश, घर और कार देने का भी प्रावधान किया गया है। कई महीनों की बहस के बाद संसद में बिल पास हो पाया। इसके तहत यूक्रेन ने सेना में सेवा देने की उम्र को 27 से घटाकर 25 साल कर दिया। इसके अलावा कैदियों को भी सेना में भर्ती होने का ऑफर दिया गया है। वहीं जो लोग सेना में सेवा देने से बचने के लिए फ्रॉड करेंगे उन पर जुर्माना पांच गुना बढ़ा दिया गया है।

कानून में यह भी कहा गया है कि सेना में सेवा देने की उम्र में किसी का यूक्रेन से जाने की अनुमति नहीं होगी। पहले 18 से 60 साल के वे लोग जो किसी अन्य देश के स्थायी सदस्य होते थे उन्हें विदेश जाने का अधिकार होता था। अब उनपर भी प्रतिबंध लगा दिया गया है। सरकार से अनुमति या फिर स्वास्थ्य कारणों के अलावा अब उन्हें भी देश छोड़ने की अनुमति नहीं दी जाएगी। रूस के साथ युद्ध शुरू होने के बाद पहले तो बहुत सारे लोग अपनी इच्छा से सेना में

भर्ती हो रहे थे। हालांकि थोड़े दिन में ही यह संख्या कम होने लगी। युद्ध के दो साल पूरे होने के बाद रूस ने पूर्वी मोर्चे पर सैनिकों की संख्या 10 गुनी कर दी है।

पूर्व अग्निवीर सीआईएसएफ में होंगे भर्ती, शारीरिक परीक्षा व आयु सीमा में मिलेगी छूट

-केंद्र सरकार के गृह मंत्रालय ने लिया महत्वपूर्ण निर्णय

नई दिल्ली। केंद्र सरकार के गृह मंत्रालय द्वारा पूर्व अग्निवीरों का केंद्रीय सुरक्षा बलों में भर्ती हेतु महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। सीआईएसएफ ने भी इसके तहत पूर्व अग्निवीरों की सीआईएसएफ में भर्ती के लिए तैयारियां कर ली हैं। इस तैयारी के अंतर्गत सभी अग्निवीरों के लिए 10 फीसदी कांस्टेबल पद आरक्षित होंगे। इसके अतिरिक्त उनको शारीरिक दक्षता परीक्षा में छूट दी गई है, साथ ही उन्हें आयु सीमा में भी छूट दी गई है। आयु सीमा की ये छूट प्रथम वर्ष में पांच वर्ष तक की है, वहीं आगामी वर्ष में तीन वर्ष तक की है। इस तैयारी के तहत सभी पूर्व अग्निवीर इस व्यवस्था का लाभ उठाएंगे। इस व्यवस्था से सीआईएसएफ को भी फायदा होगा।

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने केंद्रीय अर्धसैनिक बलों में पूर्व अग्निवीरों की भर्ती का बड़ा कदम उठाया है। केंद्रीय बलों में पूर्व अग्निवीरों के पहले बैच के लिए 10 फीसदी आरक्षण और उम्र में छूट के प्रावधान किए हैं। पूर्व अग्निवीरों को शारीरिक दक्षता परीक्षा से भी छूट मिलेगी। वहीं, सीआरपीएफ के डीजी अनिश दयाल सिंह ने कहा कि पूर्व अग्निवीरों को सीआरपीएफ में लेने की सभी तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। पहले बैच के अग्निवीरों को सीआरपीएफ ज्वाइन करने में पांच साल की छूट मिलेगी और 10 फीसदी आरक्षण दिया जाएगा। दूसरे बैच के अग्निवीरों के लिए तीन साल की छूट है।

आरपीएफ के डीजी मनोज यादव ने कहा कि कांस्टेबल स्तर पर जो भर्ती होगी, उसमें न केवल सभी श्रेणियों में 10 फीसदी आरक्षण का प्रावधान किया जा रहा है, बल्कि उनको आयु सीमा में भी छूट दी जाएगी। अग्निवीरों का जो पहला बैच दिसंबर 2026 और जनवरी 2027 में डिस्चार्ज होगा, उसके लिए छूट की सीमा पांच साल होगी और बाद के बैचों के लिए ये सीमा तीन साल होगी। तीसरी सबसे महत्वपूर्ण छूट के तहत अग्निवीरों को शारीरिक दक्षता परीक्षा की जरुरत नहीं होगी। आरपीएफ अग्निवीरों का अपने बल में स्वागत करने के लिए उत्सुक है। इससे आरपीएफ को भी एक नई ऊर्जा और गति मिलेगी। वहीं, बीएसएफ के डीजी नितिन अग्रवाल ने कहा हमें तैयार जवान मिल रहे हैं और इससे बेहतर कुछ नहीं हो सकता। हम बहुत कम समय में इनको सीमा पर तैनात कर सकते हैं। हम अग्निवीरों का इंतजार कर रहे हैं। इनको हमारी नौकरी में 10 फीसदी आरक्षण के अलावा उम्र की छूट दी जाएगी।

गौरतलब है कि गृह मंत्रालय के अधीन सीआईएसएफ में करीब 1,70,000 कर्मी सेवारत हैं। यह मुख्य रूप से 66 संवेदनशील और प्रमुख हवाई अड्डों, 14 बंदरगाहों, परमाणु और अंतरिक्ष संस्थानों, दिल्ली मेट्रो, गुजरात में स्टैच्यू ऑफ यूनिटी और अन्य औद्योगिक इकाइयों को सुरक्षा प्रदान करता है। इसके अलावा बल 11 निजी प्रतिष्ठानों को भी सुरक्षा प्रदान करने में लगा हुआ है।

भाजपा का दावा: अब लाल चौक पर पाकिस्तानी झंडा नहीं बल्कि लहरा रहा है तिरंगा

नई दिल्ली।

भारतीय जनत पार्टी जम्मू कश्मीर में अपने बूते पर चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही है। साथ ही दावा कर रही है कि यहां अब पत्थरबाजी नहीं होती है। धारा 370 और 35 ए हटने के बाद यहां विकास की गति बढ़ी है। अब श्रीनगर के लाल चौक पर पाकिस्तानी झंडा नहीं बल्कि भारतीय तिरंगा लहरा रहा है। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुग का कहना है कि जम्मू-कश्मीर के हालात पहले की तुलना में काफी सुधरे हैं। उनका कहना है कि जम्मू कश्मीर में आतंकवाद की जगह पर्यटन को बढ़ावा मिला है। तरुण चुग ने कहा कि, अनुच्छेद 370 और 35 ए की जंजीरों से मुक्ति के बाद जम्मू कश्मीर आगे बढ़ा है। यह टेररिज्म कैपिटल से टूरिज्म कैपिटल में बदला है। पत्थरबाजी, भ्रष्टाचार, हत्याएं, हड़ताल, स्कूल कॉलेज बंद, दुकान बंद, लाल चौक में पाकिस्तान का झंडा, पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगाना आदि अब पूरी तरीके से समाप्त हो चुका है। आज लाल चौक पर तिरंगा फहरा रहा है। बता दें कि मोदी सरकार ने अगस्त 2019 में जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 को खत्म कर राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित कर दिया था। जम्मू-कश्मीर में जल्द विधानसभा चुनाव और राज्य का दर्जा बहाल करने की राजनीतिक दलों की मांग रही है।

भला हो कलेक्टर........ 65 करोड़ की अवैध फीस बच्चों को लौटाने का आदेश दिया

जबलपुर ।

मध्यप्रदेश के जबलपुर जिले में प्रशासन ने 10 निजी स्कूलों को 81 हजार से ज्यादा छात्रों से अवैध तौर पर वसूली गई करीब 65 करोड़ रुपये की ट्यूशन फीस वापस करने का आदेश दिया है। इन निजी स्कूलों ने कानून का उल्लंघन करते हुए ट्यूशन फीस में बढ़ोतरी की है। जबलपुर के जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) घनश्याम सोनी ने बताया, मध्यप्रदेश निजी विद्यालय (फीस तथा संबद्ध विषयों का विनियमन) अधिनियम 2017 के तहत गठित जिला स्तरीय समिति ने इन विद्यालयों के खातों की जांच कर पाया कि वे छात्रों से अतिरिक्त शुल्क ले रहे हैं। डीईओ सोनी ने कहा कि प्रशासन ने 2018-19 और 2024-25 के बीच 81 हजार 117 छात्रों से 64.58 करोड़ रुपये की अवैध फीस वसूली को रद्द किया है। साथ ही स्कूलों को नोटिस जारी करके अवैध रूप से वसूली गई फीस विद्यार्थियों को वापस करने का आदेश दिया है। कलेक्टर दीपक सक्सेना के अनुसार, स्कूलों के अधिकारियों और पाठ्यपुस्तकों की दुकानों के मालिकों से जुड़ी विसंगतियां उजागर होने के बाद उनके खिलाफ कार्रवाई की गई। इसमें से कुछ स्कूलों ने सक्षम अधिकारियों की मंजूरी के बिना फीस में 10 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि की, जबकि अन्य ने 15 प्रतिशत से अधिक की बढ़ोतरी की।

राजनाथ सिंह का स्वास्थ्य बिगड़ा, एम्स में भर्ती

नई दिल्ली। देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अचानक तबीयत खबराब हो गई है। उन्हे इलाज के लिए एम्स में भर्ती कराया गया है। कमर दर्द की शिकायत के बाद उन्हें एम्स ले जाया गया। यहां न्यूरो सर्जन की देखरेख में उनका उपचार हो रहा है। बताया गया है कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का स्वास्थ्य अचानक बिगड़ा है। गुरुवार तड़के तीन बजे उनके कमर का दर्द बढ़ा। इसके बाद उन्हें एम्स ले जाया गया। यहां डॉक्टरों की सलाह पर उन्हें अस्पताल के प्राइवेट वार्ड में भर्ती किया गया है। एम्स में न्यूरो सर्जन की देखरेख में रक्षा मंत्री का इलाज चल रहा है। फिलहाल अस्पताल ने कोई आधिकारिक मेडिकल बुलेटिन जारी नहीं की है। हालांकि, बताया जा रहा है कि राजनाथ सिंह का स्वास्थ्य स्थिर है। गौरतलब है कि राजनाथ सिंह भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेताओं में शुमार हैं। वह भाजपा अध्यक्ष और केंद्र की मोदी सरकार में केंद्रीय गृह मंत्री भी रह चुके हैं। इसके अलावा राजनाथ सिंह उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री और पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार में केंद्रीय मंत्री रहे हैं।

आप पर बीजेपी का हमला......अतिशी और सौरभ भारद्वाज तैयार रहें

नई दिल्ली ।

दिल्ली शराब नीति मामले में सुप्रीम कोर्ट से अरविंद केजरीवाल को अंतरिम जमानत मिलने के बाद आम आदमी पार्टी और बीजेपी में वार-पलटवार का दौर शुरू हो गया है।

आप ने जहां फैसले को ऐतिहासिक जीत बताया है। वहीं बीजेपी ने लालू यादव को मिली अंतरिम बेल से केजरीवाल की तुलना की है। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने आप पर जोरदार हमला बोला है। उन्होंने कहा कि केजरीवाल के जो नए करीबी लालू यादव हैं, उन्हें भी अंतरिम बेल मिली थी लेकिन बाद में दोषी सिद्ध होने पर उन्हें जेल में जाना पड़ा। भाजपा नेता सचदेवा ने कहा कि शराब नीति में आप और केजरीवाल ने जो घोटाला किया है, जो चोरी की है उस पर निर्णय अभी बाकी हैज्इतना ही नहीं अतिशी और सौरभ भारद्वाज को तैयार रहना चाहिए, क्योंकि केजरीवाल जो शराब घोटाले के मुख्य अभियुक्त हैं उन्होंने घोटाले में इनका भी नाम लिया है।

वहीं आप पार्टी ने केजरीवाल को जेल में रखने की साजिश करार देकर कहा कि यह समय की बात है कि वे लोगों की सेवा में वापस लौटकर आएंगें।

वरिष्ठ आप नेता और सरकार में मंत्री आतिशी ने आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा जानती थी कि सुप्रीम कोर्ट राउज एवेन्यू कोर्ट के फैसले (केजरीवाल को जमानत देने) पर अपनी मुहर लगाएगा, इसकारण भाजपा ने सुप्रीम कोर्ट में मामले में फैसले के तुरंत बाद उन्हें गिरफ्तार करने के लिए अपने एक और हथियार, सीबीआई का इस्तेमाल किया। आतिशी ने पूछा कि उन्हें सीबीआई ने क्यों गिरफ्तार किया? क्योंकि उन्हें पता था कि अगर उन्हें ईडी मामले में जमानत मिल जाती है, तब वे बाहर आकर दस गुना तेजी से काम करना शुरू करने वाले है।

आतिशी ने कहा कि मैं आज भाजपा को बताना चाहती हूं कि देश की हर अदालत ने एक-एक करके आपकी साजिश को उजागर किया हैज हर अदालत ने कहा है कि अरविंद केजरीवाल के खिलाफ कोई सबूत नहीं है और हर अदालत उन्हें जमानत दे रही है।

महाराष्ट्र में विधान परिषद चुनाव, बीजेपी विधायक गायकवाड़ नहीं डाल सके वोट

कांग्रेस की आपत्ति पर रिटर्निंग ऑफिसर का एक्शन

मुंबई ।

लोकसभा चुनाव के बाद महाराष्ट्र में एनडीए गठबंधन और इंडिया ब्लॉक के बीच शुक्रवार को एक और बड़ी सियासी जंग शुरू हो गई है। सूबे में विधान परिषद की 11 सीटों के लिए चुनाव चल रहा है। इस चुनाव की खास बात यह है कि यहां 11 सीटों के लिए 12 उम्मीदवार मैदान में हैं। सुबह से शुरु हुआ मतदान शाम 4 बजे तक चलेगा। शिवसेना के संजय गायकवाड़ ने गुप्त मतदान प्रणाली के जरिए अपना वोट कर दिया है, वह वोटिंग करने वाले पहले व्यक्ति हैं। इस बीच कांग्रेस ने रिटर्निंग ऑफिसर से मांग की है कि वे बीजेपी विधायक गणपत गायकवाड़ को वोट ना डालने दे, इसपर एक्शन लेकर अधिकारी ने गायकवाड़ को वोट नहीं डालने दिया है। दरअसल कांग्रेस ने उनपर आपत्ति जाहिर की थी। कांग्रेस का कहना है कि गायकवाड़ शिवसेना नेता पर गोली चलाने के आरोपी हैं। इसकारण उन्हें मतदान में शामिल नहीं होने देना चाहिए। एमएलसी चुनावों से ठीक पहले कांग्रेस के 37 में से 3 विधायक पार्टी की बैठक में शामिल नहीं हुए हैं। इसमें से एक जितेश अंतापुरकर कांग्रेस छोड़कर बीजेपी में आने वाले पूर्व सीएम अशोक चव्हाण के खास हैं। दूसरे विधायक का नाम जीशान सिद्धीकी है, जो हाल ही में अजित गुट में शामिल होने वाले बाबा सिद्धीकी के बेटे हैं। तीसरे विधायक का नाम संजय जगताप हैं। हालांकि, वह 'वारि' (वार्षिक तीर्थयात्रा जुलूस) में शामिल होने गए हैं। वह जुलूस के साथ पंढरपुर जा रहे हैं। हालांकि, सुलभा खोडके, जिनके पति अजित के करीबी सहयोगी हैं, और हीरामन खोसकर, जो एनसीपी के संपर्क में बताए जाते हैं, दोनों बैठक में शामिल हुए हैं। महाराष्ट्र में शुक्रवार को विधान परिषद की 11 सीटों के लिए चुनाव हो रहे हैं। लेकिन मैदान में उतरने वाले उम्मीदवारों की संख्या 12 है। एक ओर भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) ने 9 प्रत्याशी उतारे हैं। वहीं विपक्षी इंडिया ब्लॉक ने 3 उम्मीदवारों को खड़ा किया है।

तेज बारिश से यूपी के 7 जिलों में बाढ़ के हालात, 800 गांव में 20 लाख लोग प्रभावित

बद्रीनाथ रूट तीन दिन से बंद, हजारों श्रद्धालु फंसे

नई दिल्ली।

तेज बारिश के कारण नेपाल-यूपी बॉर्डर के करीब 7 जिलों में बाढ़ जैसे हालात बने हुए हैं। पीलीभीत, लखीमपुर खीरी, बहराइच, श्रावस्ती, बलरामपुर, सिद्धार्थनगर और महराजगंज के करीब 800 गांव में 20 लाख से अधिक लोग बाढ़ से प्रभावित हैं। इन लोगों को बचाने एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें रेस्क्यू में जुटी हैं। नेपाल में हो रही तेज बारिश के कारण यूपी की कई नदियां उफान पर हैं। दिल्ली-लखनऊ हाईवे पर शाहजहांपुर में करीब 2 से 3 फीट पानी भर गया है। इस कारण हाईवे का एक हिस्सा बंद किया गया है। गाड़ियों को डाइवर्ट करके निकाला जा रहा है। शाहजहांपुर के मेडिकल कॉलेज में भी पानी भरने के बाद मरीजों को शिफ्ट किया गया था। उधर, उत्तराखंड में लगातार पांच दिन से हो रही बारिश और भूस्खलन के कारण 200 सड़कें बंद हैं। सबसे खराब हालात बद्रीनाथ रूट पर है, जहां 22 जगह लैंडस्लाइड से चार धाम यात्रा मार्ग 3 दिन से बंद है। 4 हजार श्रद्धालु सड़कों पर फंसे हैं। देश की कारोबारी राजधानी मुंबई में देर रात और सुबह तेज बारिश के कारण सड़कों और रेलवे ट्रैक पर पानी भर गया। ट्रेन और फ्लाइट सर्विस भी प्रभावित हुई हैं। इंडिगो एयरलाइंस ने भी एडवाइजरी जारी कर कहा है कि फ्लाइट्स के टेक-ऑफ में देरी हो सकती है। उत्तर प्रदेश के कई जिलों में नदियों में बाढ़ आ गई है। शाहजहांपुर में एनडीआरएफ को रेस्क्यू के लिए लगाया गया है। पीलीभीत के डैम से छोड़े पानी के बाद गर्रा नदी उफान पर है। इसके बाद शाहजहांपुर के 70 गांवों में बाढ़ आ गई है। यहां 4 से 5 फीट तक पानी भर गया है। लोग अपना घर छोड़ चुके हैं। लोगों का कहना है कि 2008 के बाद ऐसी बाढ़ आई है।

संक्षिप्त समाचार

कोयले की आपूर्ति सुनिश्चित करने, आपका धन्यवाद सीएम साय

राजस्थान के मुख्यमंत्री ने लिखा पत्र

जयपुर । राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राजस्थान के विद्युत गृहों को कोयले की आपूर्ति के लिए हसदेव अरण्य कोलफील्ड में संचालित परसा ईस्ट एवं कांता बासन (पीईकेबी) कोल ब्लॉक की 91.21 हेक्टयर वनभूमि का उपयोग करने की अनुमति देने पर छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का धन्यवाद प्रकट किया है। सीएम शर्मा ने कहा कि इस कदम से राज्य के 4340 मेगावाट क्षमता की तापीय विद्युत परियोजनाओं को कोयले की आपूर्ति सुनिश्चित करने में सहायता मिलेगी। उन्होंने सीएम साय को लिखे पत्र में कांता एक्सटेंशन से संबंधित पर्यावरण मंजूरी हेतु आवश्यक सार्वजनिक सुनवाई व वन मंजूरी का पंजीकरण शीघ्र करवाने की व्यवस्था कराने का आग्रह किया है। उन्होंने लिखा है कि परसा कोल ब्लॉक पर खनन कार्य प्रारंभ करने हेतु भूमि पर पेड़ों की कटाई करवाकर भूमि को आरवीयूएन को सौंपने की व्यवस्था करे। पीईकेबी कोल ब्लॉक से खनन कार्य निरंतर जारी रखने और वित्त वर्ष 2024-25 में 18 एमटीपीए की उत्पादन क्षमता हासिल करने के लिए आवश्यक 108 हेक्टेयर भूमि पेड़ों की कटाई करवाकर एवं वित्त वर्ष 2025-26 से अगले छह वर्षों के खनन कार्यों हेतु आवश्यक 411 हेक्टेयर भूमि पेड़ों की कटाई के पश्चात आरवीयूएन को सौंपने की व्यवस्था कराई जाए।

गाय-भैंस का बीमा कराने पर प्रीमियम पर सरकार दे रही 90फीसदी की छूट

रामपुर। पशुपालन विभाग ने पशुओं एवं पशुपालकों के विकास के क्षेत्र में कई योजनाएं चलाई जा रही हैं। पशुधन बीमा योजना जैसी कल्याणकारी योजनाओं को गुणवत्तापूर्ण युद्धस्तर पर चलाया जा रहा है। पशुधन बीमा योजना के अन्तर्गत व्यापक प्रचार-प्रसार करते हुए पशुपालक के घर जाकर पशुओं का बीमा किया जाता है। इनमें कार्यरत पशु चिकित्सक गांव-गांव घूमकर पशुओं का बीमा करेंगे। जो किसान या पशु पालक पशुओं का बीमा कराना चाहते हैं, वह स्वयं पशु चिकित्सकों से संपर्क कर बीमा कराएं। पशुपालक जो आर्थिक रूप से सक्षम नहीं हैं और उन्होंने गाय या भैंस पाल रखे हैं। यदि किसी दुर्घटना से या बीमारी से पशु हानि हो जाती है, तो उस स्थिति में पशुपालक लाचार हो जाता है. ऐसे में तय राशि लाभार्थी को प्रदान की जाएगी। उस स्थिति को देखते हुए सरकार ने जोखिम प्रबंधन योजना संचालित की है, जिसमें पशुओं का बीमा कराया जाता है। मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. महेश कुमार कौशिक ने बताया कि जिसमें सामान्य व अन्य पिछड़ा वर्ग को प्रीमियम में 75 फीसदी, अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति को 90 फीसदी की छूट दी जाती है। इस योजना के तहत किसान बड़े पशुओं के साथ बकरियों का भी बीमा करवा सकते हैं। उन्हें बीमा प्रीमियम की भी पूरी राशि नहीं देनी होगी। प्रीमियम का करीब 80 फीसद हिस्सा सरकार वहन करेगी।

बाढ़ में बहा बुजुर्ग नहीं हारा हिम्मत, आठ घंटे लटका रहा पेड़ की टहनी से, रेस्क्यू कर बचाया

लखीमपुर खीरी। यूपी के लखीमपुर खीरी में शारदा और घाघरा नदी ने हर तरफ हाहाकार मचा मचा दिया है। संपूर्णानगर और पलिया इलाका जिला मुख्यालय से कट गया है। रेल और सड़क मार्ग बंद होने यह कस्बे यह टापू बन गए हैं। बाढ़ में एक बुजुर्ग बह गए लेकिन बुजुर्ग ने हिम्मत नहीं हारी उसने एक पेड़ का तना पकड़ लिया। पानी के तेज बहाव के बीच बुजुर्ग जंगल में करीब आठ घंटे तक यूं ही लटके रहे। जब स्थानीय लोगों ने बुजुर्ग को लटका देखा तो प्रशासन को सूचना दी। पुलिस और एनडीआरएफ की टीम ने देर रात बुजुर्ग को रेस्क्यू कर बचा लिया। एसपी गणेश सहा ने बताया कि उनको ग्रामीणों के जरिए से सूचना मिली थी। पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंचकर बुजुर्ग का रेस्क्यू किया। बुजुर्ग ने हिम्मत न हारते हुए पेड़ के तने को पकड़े रहने के चलते उसकी जान बच पाई। इस समय जिले में स्थिति गंभीर है। हम हर सूचना पर तत्काल रियेक्ट कर रहे हैं। उन्होंने लोगों से अपील की है कि वे बाढ़ग्रस्त इलाके को छोड़ कर राहत शिविर में जाएं।

रेलवे का सर्वर डाउन, बुक नहीं हो रहे टिकट, लोग हो रहे परेशान

नई दिल्ली। ट्रेन का टिकट बुक करने रेलवे की वेबसाइट आईआरसीटीसी शुक्रवार सुबह से ठप है। लोग टिकट बुकिंग करने के लिए परेशान हो रहे हैं। डाउन डिटेक्टर के मुताबिक आईआरसीटीसी की वेबसाइट और मोबाइल ऐप दोनों सर्विस बंद है। सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर इस बारे में कई लोगों ने शिकायत भी की। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक पूर्व मध्य रेल और ईस्टर्न रेलवे का सर्वर ठप होने से टिकट बुकिंग में दिक्कत आ रही है। ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों टिकट बुकिंग सर्वर ठप होने के कारण टिकट बुक नहीं हो पा रही है। सर्वर ठप होने से तत्काल और सामान्य टिकट लेने वाले सबसे ज्यादा परेशान हो रहे हैं। कुछ यूजर्स ने शिकायत भी की है कि खासकर बिहार रूट की ट्रेनों पर उन्हें टिकट बुक करने में दिक्कत आ रही है। वहीं, कुछ यूजर्स का कहना है कि गुरुवार शाम से ही उन्हें टिकट बुकिंग में दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है।

आर्थिक विकास और रोजगार को बढ़ाने पर पीएम मोदी ने अर्थशास्त्रियों से की बात

नई दिल्ली।

देश में बढ़ती बेरोजगारी सरकार के लिए बड़ी चुनौती है,इससे निपटने के लिए सरकार नए नए विकल्पों को तलाश रही है। ऐसी ही तलाश के चलते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बजट से पहले देश के जानमाने अर्थशास्त्रियों से आर्थिक विकास और रोजगार के मुद्दे पर चर्चा की। बैठक में अर्थशास्त्रियों ने इस बैठक में कंजम्पशन को बढ़ाने पर जोर देते हुए इसके फायदों के बारे में भी बताया। वित्त वर्ष 2024 में एग्रीकल्चर ग्रोथ 1.4 प्रतिशत और प्राइवेट फाइनल कंजम्पशन एक्सपेंडिचर केवल 4 प्रतिशत पर रहा। अर्थशास्त्रियों का कहना था कि ग्रामीण और शहरी इलाकों में कंजम्पशन के बढ़ने से कंपनियों को उत्पादन बढ़ाने का हौसला मिलेगा और इसके चलते वे ज्यादा लोगों को रोजगार दे पाएंगे। अर्थशास्त्रियों ने देश में स्किल डेवलपमेंट को बढ़ाने पर भी जोर दिया ताकि देश को डेमोग्राफिक डिविडेंड का फायदा मिल सके। आम बजट को लेकर पीएम मोदी ने वरिष्ठ अर्थशास्त्रियों के साथ नीति आयोग में विचार-मंथन किया।

इस मीटिंग में नीति आयोग के उपाध्यक्ष सुमन बेरी के अलावा प्लानिंग मिनिस्टर राव इंदरजीत सिंह, चीफ इकोनॉमिक एडवाइजर वी अनंत नागेश्वरन के साथ जानेमाने अर्थशास्त्रियों अशोक गुलाटी और सुरजीत भल्ला ने भी शिरकत की। इस बैठक के बारे में पीएम मोदी ने एक्स पर एक ट्वीट में लिखा, आज जानेमाने अर्थशास्त्रियों से बातचीत की और ग्रोथ बढ़ाने से जुड़े मुद्दों पर उनके विचार सुने।

सूत्रों के मुताबिक बैठक में अर्थशास्त्रियों ने मैन्युफैक्चरिंग की रफ्तार बढ़ाने के लिए प्रोडक्शन लिंक्ड स्कीम जैसी योजनओं में में और ज्यादा सेक्टर्स को लाने पर जोर दिया और एमएसएमई के लिए आसान फंडिंग की जरूरत जताई जिससे वे निर्यात बढ़ाने में और योगदान दे सकें। वेलफेयर स्कीम्स की प्रशंसा करते हुए अर्थशास्त्रियों ने ग्रामीण इलाकों में लोगों की इनकम बढ़ाने और आम करदाताओं के लिए इंसेंटिव पर जोर दिया।

अर्थशास्त्रियों के प्रमुख सुझाव

भारत की दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने और 2047 तक इसे विकसित देशों के कतार में पहुंचाने के लिए अर्थव्यवस्था के सभी मोर्चों पर जोर देना होगा। इसके अलावा रोजगार के अवसर विक्षित करने के लिए मैन्युफैक्चरिंग और सर्विसेज सेक्टर की रफ्तार बढ़ानी और खेती-बाड़ी और किसानी की हालत सुधारने के साथ मौसम के प्रभाव से बचने के लिए दूरगामी प्रयास करने के भी सुझाव दिए हैं। ग्रामीण इलाकों में आय को बढ़ाने के लिए रोजगार के अवसर को बढ़ाने के साथ करदाताओं को टैक्स में छूट देने और मेक इन इंडिया को बढ़ावा देने के साथ ही स्किल डेवलपमेंट पर और जोर दिया गया है। जबकि राजकोषीय घाटे पर नियंत्रण रखते हुए इंफ्रास्ट्रक्चर पर निवेश को बढ़ाने और एमएसएमई के तहत ज्यादा से ज्यादा सेक्टर्स को शामिल करने का भी सुझाव दिया है ताकि स्ट्रगल कर रहे सेक्टर्स को इसका लाभ मिल सके।

महंगाई और बेरोजगारी का असर दुनिया के सभी देशों में

- सरकारों के खिलाफ दुनिया भर में नाराजी

नई दिल्ली। दुनिया के सभी देशों में महंगाई और बेरोजगारी बढ़ती जा रही है। इसका असर मौजूदा सरकारों पर पड़ रहा है। दुनिया के लगभग 55 देशों में इस वर्ष चुनाव होने जा रहे हैं। अधिकांश सरकारों को चुनाव में करारी पराजय का सामना करना पड़ रहा है। 2024 में अभी तक विभिन्न देशों में 200 करोड़ से अधिक लोग मतदान कर चुके हैं। नतीजा स्वरूप जिन देशों में जो सरकारें थी। उन्हें पराजय का सामना करना पडा है। भारत में वर्तमान सरकार को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला। वहीं ब्रिटेन में सरकार को करारी पराजय झेलनी पड़ी। फ्रांस में भी यही स्थिति देखने को मिली है। कुछ ही महीनो में लगभग 40 देश में चुनाव होने जा रहे हैं। यहां पर भी महंगाई और बेरोजगारी के कारण अभी तक जो दक्षिण पंथी ताकतें मजबूती के साथ सत्ता में बनी हुई थी। उनके खिलाफ बड़ा जनरोष देखने को मिल रहा है। मतदाताओं के बीच महंगाई, बेरोजगारी, राष्ट्रवाद, प्रवासियों, जलवायु परिवर्तन जैसे मुद्दे चुनाव में बड़ा असर डाल रहे हैं। विभिन्न देशों के चुनाव सर्वेक्षण यह बात सामने आ रही है। महंगाई और बेरोजगारी के कारण विचारधारा भी अब नेपथ्य में जाती हुई दिख रही है। अमेरिका जैसे देश में बदलाव की बयार बह रही है। मतदाता महंगाई, बेरोजगारी और आर्थिक समस्याओं को लेकर इस समय सबसे ज्यादा परेशान है। चुनाव के दौरान मतदाता नाराजी के कारण वर्तमान में जो सरकारें हैं। उनके खिलाफ खुलकर मतदान कर रहे हैं। अमेरिका में वर्तमान राष्ट्रपति जो वाइडेन और पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को अमेरिका के मतदाता पसंद नहीं कर रहे हैं। वैश्विक तनाव, बेरोजगारी और महंगाई ही मुख्य कारण माना जा रहा है। अमेरिका के चुनाव परिणाम भी काफी आश्चर्यजनक होंगे। ऐसा कहा जा रहा है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)